राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, गुरुवार, 04 सितम्बर 2025

वर्ष 14, अंक 143, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें..... 9511151254

बारिश में मकान गिरने से परेशान परिवार, जाँच को पहुंचे अधिकारी..03

नकली दवाइयों से मरीजों की कमर टूट रही..04

जन्मभूमि सासाराम या कर्मभूमि राघोपुर... कहां से चुनावी रण में उतरेंगे प्रशांत किशोर?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिहार की सियासत में हलचल मचाने वाले जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने अब खुद चुनाव लड़ने के संकेत दे दिए हैं। लंबे समय से यह सवाल उठ रहा था कि क्या रणनीति के मास्टरमाइंड अब मैदान में उतरेंगे? इस बार उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर नीतीश कुमार चुनाव लड़ते हैं तो वह भी जरूर लड़ेंगे। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी बताया कि अगर चुनाव लड़ना पड़ा तो अपनी जन्मभूमि या कर्मभूमि से ही लड़ेंगे। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या पीके सासाराम, करगहर या फिर राघोपुर से ताल ठोक सकते हैं? अब तक दूसरों के लिए चुनावी रणनीति बनाने वाले प्रशांत किशोर अब खुद सियासी मैदान में उतरने को तैयार दिख रहे हैं। बिहार के हर जिले का दौरा कर चुके पीके ने दो साल तक जन संवाद और जन सुराज पदयात्रा के जरिए लोगों से सीधा संवाद किया है। अब वह केवल पार्टी के चेहरे नहीं बल्कि उसके उम्मीदवार भी बन सकते हैं।

नीतीश कुमार पर डाली गेंद

प्रशांत किशोर से जब पूछा गया कि वह खुद चुनाव लड़ेंगे या नहीं तो उन्होंने सीधे तौर पर नीतीश कुमार का नाम लिया। उन्होंने कहा "मैंने पहले भी कहा है कि अगर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चुनाव लड़ते हैं तो निश्चित तौर पर मैं भी चुनाव लडूंगा।" इस बयान से साफ है कि पीके चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं लेकिन उन्होंने अंतिम फैसला नीतीश कुमार की चुनावी भागीदारी पर टाल दिया है। गौरतलब है कि नीतीश कुमार पिछले करीब 20 वर्षों से खुद कोई चुनाव नहीं लड़ रहे हैं।

तेजस्वी यादव से भी मुकाबले के संकेत

प्रशांत किशोर ने तेजस्वी यादव को लेकर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर उनकी पार्टी चाहे तो वह तेजस्वी यादव के खिलाफ भी चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि "अगर विपक्ष के मुख्य चेहरे के खिलाफ लड़ना है तो लड़ने में कोई हर्ज नहीं है, लेकिन सिर्फ किसी के खिलाफ लड़ने का फायदा नहीं है।" यह बयान उनके आत्मविश्वास को दिखाता है और यह भी कि वह राजनीतिक चुनौतियों से भागने वाले नहीं हैं।

जन्मभूमि बनाम कर्मभूमि - कौन सी सीट होगी चुनौतियों भरी?

प्रशांत किशोर ने अपने आगामी चुनाव लड़ने को लेकर दो अहम विकल्पों की ओर इशारा किया है - उनकी जन्मभूमि और कर्मभूमि। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर उन्हें चुनाव लड़ना पड़ा, तो वह या तो अपनी जन्मभूमि या फिर कर्मभूमि से चुनाव मैदान में उतरेंगे। जन्मभूमि के आधार पर दो संभावित सीटों के नाम सामने आए हैं - सासाराम और करगहर। वहीं, कर्मभूमि के रूप में उन्होंने राघोपुर का नाम लिया, जहां उन्होंने सबसे अधिक समय बिताया और जन सुराज की नींव मजबूत की। पीके ने यह भी कहा कि वह खुद लोगों को सलाह देते हैं कि अगर चुनाव लड़ना है तो एक सीट जन्मभूमि से और दूसरी कर्मभूमि से लड़नी चाहिए। उनके इस बयान से यह भी संकेत मिलता है कि वे पार्टी की अनुमति मिलने पर दो सीटों से चुनाव लड़ सकते हैं, जिससे उनकी राजनीतिक मौजूदगी और असर दोनों और अधिक मजबूत हो सकते हैं।

जन सुराज पार्टी की तैयारी और पीके की भूमिका

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने पहले ही एलान कर दिया है कि उनकी पार्टी बिहार की 243 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या पार्टी का चेहरा बने प्रशांत किशोर खुद मैदान में उतरेंगे या केवल प्रचार तक सीमित रहेंगे। उन्होंने कहा ÷हम पार्टी के ऊपर नहीं हैं, पार्टी जो तय करेगी वही होगा।÷ इस बयान से यह साफ है कि वह एक लोकतांत्रिक ढंग से पार्टी चला रहे हैं और व्यक्तिगत निर्णयों से ऊपर संगठनात्मक निर्णयों को महत्व दे रहे हैं। प्रशांत किशोर की तरफ से यह अब तक का सबसे मजबूत संकेत है कि वह चुनाव लड़ने को लेकर गंभीर हैं। सियासी गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि अगर पीके चुनाव लड़ते हैं तो वह सीट ÷वीआईपी÷ सीट बन जाएगी। चाहे वह सासाराम हो, करगहर हो या राघोपुर - वहां मुकाबला दिलचस्प और हाई-प्रोफाइल हो जाएगा।

ट्रंप ने फिर साधा निशानाः भारत ने US से वसूला दुनिया का सबसे बड़ा टैरिफ, रिश्ते एकतरफा रहे और अब तो देर हो चुकी!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनका देश भारत के साथ बहुत अच्छी तरह तालमेल 'रखता है, लेकिन कई वर्षों से उनका संबंध एकतरफा 'था क्योंकि नई दिल्ली की ओर से वाशिंगटन पर भारी शुल्क 'लगाया जा रहा था। ट्रंप से मंगलवार को जब पूछा गया कि क्या वह भारत पर लगाए गए कुछ शुल्क हटाने पर विचार कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा, "नहीं, हम भारत के साथ बहुत अच्छी तरह तालमेल रखते हैं।" ट्रंप की यह टिप्पणी नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंधों में तनाव के बीच आई है, जब अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है जो दुनिया में सबसे ज़्यादा शुल्कों में से एक है। उन्होंने व्हाइट हाउस में कहा कि कई वर्षों तक भारत और अमेरिका के बीच संबंध 'एकतरफा 'थे और उनके पदभार ग्रहण करने के बाद इसमें बदलाव आया। ट्रंप ने कहा, "भारत हमसे बहुत ज्यादा शुल्क वसूल रहा था, जो दुनिया में सबसे ज्यादा था।" उन्होंने कहा कि इसलिए अमेरिका भारत के साथ ज्यादा व्यापार नहीं कर रहा था। उन्होंने कहा, "लेकिन वे हमारे साथ व्यापार कर रहे थे क्योंकि हम उनसे शुल्क नहीं वसूल रहे थे। मूर्खतापूर्ण तरीके से, हम उनसे शुल्क नहीं वसूल रहे थे।" अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत अपने उत्पादों को अमेरिका में भेज रहा था। ट्रंप ने कहा, "वे इसे हमारे देश में भेजेंगे। इसलिए इसे यहां नहीं बनाया जाएगा, जो एक नकारात्मक बात है, लेकिन हम कुछ भी नहीं भेजेंगे क्योंकि वे हमसे 100 प्रतिशत टैरिफ वसूल रहे थे।"

अमेरिकी राष्ट्रपति ने हार्ले डेविडसन मोटरसाइकिल का उदाहरण देते हुए कहा कि कंपनी भारत में अपनी मोटरसाइकिल नहीं बेच सकी क्योंकि उस पर 200 प्रतिशत शुल्क था। उन्होंने कहा, "तो क्या हुआ? हार्ले डेविडसन भारत गई और एक मोटरसाइकिल संयंत्र लगाया, और अब उन्हें शुल्क नहीं देना पड़ता, यह हमारे जैसा ही है।" सोमवार को, ट्रंप ने दावा किया कि भारत ने अब अपने टैरिफ को पूरी तरह से कम करने का प्रस्ताव 'दिया है, लेकिन अब देर हो रही है। उन्होंने कहा कि भारत अपना अधिकांश तेल और सैन्य उत्पाद रूस से खरीदता है और अमेरिका से बहुत कम खरीदता है। ट्रंप प्रशासन ने भारत पर 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क और रूसी तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है, जिससे भारत पर लगाया गया कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है, जो 27 अगस्त से प्रभावी हो गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया है कि वह किसानों, पशुपालकों और लघु उद्योगों के हितों से समझौता नहीं कर सकते। उन्होंने आगाह किया कि ''हम पर दबाव बढ़ सकता है, लेकिन हम इसे सहन करेंगे।" भारत ने अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्कों को 'अनुचित और अतर्कसंगत' बताया है। नई दिल्ली ने कहा कि किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की तरह, वह अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा। वर्ष 2024-25 में, दोनों देशों के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 131.8 अरब डॉलर (86.5 अरब डॉलर निर्यात और 45.3 अरब डॉलर आयात) था।

संक्षिप्त ख़बरें

पाकिस्तान में BNP रैली स्थल पर आंतकी हमले के Videos आए सामने, आत्मघाती बम धमाके में अब तक 14 की मौत व 35 घायल

पाकिस्तान के क्वेटा शहर में बलूचिस्तान नेशनल पार्टी (BNP) द्वारा आयोजित एक सार्वजनिक रैली के समाप्त होने के तुरंत बाद हुए आत्मघाती बम विस्फोट में कम से कम 14 लोग मारे गए और 35 अन्य घायल हो गए। मीडिया में आयी खबरों में यह जानकारी दी गयी है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून 'अखबार ने बताया कि यह विस्फोट मंगलवार रात को सरदार अताउल्लाह मेंगल की चौथी पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित रैली के समापन के बाद सरियाब क्षेत्र में शाहवानी स्टेडियम के पास हुआ। समाचार पत्र के अनुसार प्रांतीय स्वास्थ्य मंत्री बख्त मुहम्मद काकर ने हताहतों की संख्या की पुष्टि की है। द डॉन 'अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने पुष्टि की है कि यह एक आत्मघाती हमला था। पुलिस के अनुसार, विस्फोट रैली समाप्त होने के लगभग 15 मिनट बाद हुआ। हमलावर ने पार्किंग क्षेत्र में विस्फोटकों से लदी अपनी जैकेट में कथित तौर पर उस समय विस्फोट कर दिया, जब लोग रैली में भाग लेने के बाद वहां से निकल रहे थे। डॉन 'के अनुसार, रैली का नेतृत्व कर रहे बीएनपी प्रमुख अख्तर मेंगल को कोई चोट नहीं आई, क्योंकि विस्फोट उस समय हुआ जब वह घर के लिए निकल रहे थे। इसमें कहा गया है कि पख्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के प्रमुख महमूद खान अचकजई, अवामी नेशनल पार्टी के असगर खान अचकजई और नेशनल पार्टी के पूर्व सीनेटर मीर कबीर मुहम्मद शाई भी रैली में मौजूद थे, लेकिन उन्हें कोई चोट नहीं आई।

दिल्लीवालों पर मंडराया बाढ़ का खतरा! यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान के पार

दिल्ली में पुराने रेलवे पुल (ओआरबी) पर बुधवार सुबह आठ बजे यमुना नदी का जलस्तर 206.83 मीटर दर्ज किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नदी का जलस्तर और बढ़ने की आशंका के बीच अधिकारियों ने बाढ़ की चेतावनी जारी की है और जलस्तर 206.90 मीटर तक पहुंचने का अनुमान जताया है। मंगलवार शाम जारी बाढ़ परामर्श में कहा गया है,'मौजूदा संकेतों के अनुसार तीन सितंबर 2025 को सुबह सात बजे तक जलस्तर 206.90 मीटर पहुंचने की संभावना है और उसके बाद जलस्तर बढ़ने की संभावना है।''दिल्ली में यमुना नदी मंगलवार को निकासी के निशान को पार कर गई थी, जहां जलस्तर 206.03 मीटर दर्ज किया गया था और तब से इसमें वृद्धि हो रही है। जलस्तर बढ़ने के कारण जिला प्रशासन निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहा है और ओआरबी को यातायात के लिए बंद कर दिया गया है।

6 लाख SC-ST और OBC छात्रों की स्कॉलरशिप अटकी! 14 जिलों के अधिकारियों पर गिरी गाज, 100 से अधिक रडार पर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

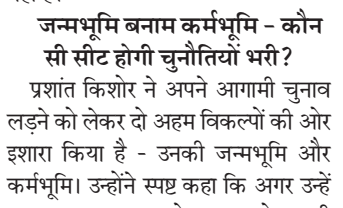

लखनऊ – उत्तर प्रदेश में सीएम योगी की अगुवाई वाली भाजपा सरकार ने छात्रवृत्ति और शुल्क भरपाई योजना में हुई भारी लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाते हुए कई अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है। इस लिस्ट में अलीगढ़ की संध्या रानी बघेल, औरैया की इंदिरा सिंह, अयोध्या के रणविजय सिंह, बहराइच के रमाशंकर, बलिया के दीपक श्रीवास्तव, बरेली के सुधांशु शेखर, बिजनौर के जागेश्वर सिंह, गौतमबुद्धनगर के सतीश कुमार, गाजियाबाद के वेद प्रकाश मिश्रा, कन्नौज के सत्य प्रकाश सिंह, प्रतापगढ़ के नागेंद्र मौर्य, रायबरेली की सृष्टि अवस्थी, सीतापुर के हर्ष मवार और वाराणसी के गिरीश दुबे शामिल हैं। वहीं बरेली में सबसे ज्यादा गड़बड़ी सामने आने पर वहां के बाबू प्रमोद जोशी को निलंबित किया गया है।

अधिकारियों की लापरवाही के कारण नहीं मिली स्कॉलरशिप

दरअसल, प्रदेश के करीब छह लाख पात्र छात्रों को साल 2024-25 में छात्रवृत्ति और शुल्क भरपाई योजना का लाभ नहीं मिल सका। यह मामला प्रकाश में आने पर सीएम योगी ने कार्रवाई के आदेश दिए। जिसके बाद कार्रवाई की जद में आए अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार, सरकार ढाई लाख रुपये तक वार्षिक आय वाले एससी-एसटी छात्रों और दो लाख रुपये तक आय वाले अन्य वर्गों के छात्रों को छात्रवृत्ति के साथ शुल्क की भरपाई करती है, लेकिन कई शिक्षण संस्थानों और अधिकारियों की लापरवाही के चलते छह लाख से अधिक छात्र इस योजना से वंचित रह गए। बता दें कि कहीं अधिकारियों ने डाटा लॉक नहीं किया तो कहीं विश्वविद्यालयों और कॉलेजों ने ऑनलाइन आवेदन ही आगे नहीं बढ़ाए।

छात्रों के खाते में जल्द भेजी जाएगी राशि

सीएम योगी का कहना है कि छात्रों का हक उन्हें हर हाल में मिलेगा। जिन विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और शुल्क भरपाई नहीं मिली है, उनके खाते में जल्द ही राशि भेजी जाएगी। साथ ही सीएम योगी ने यह भी निर्देश दिए हैं कि दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ विश्वविद्यालयों और निजी शिक्षण संस्थानों पर भी सख्त कार्रवाई की जाए।

दिल्ली के आरडब्ल्यूए व व्यापारी समेत देश भर से लोग पंजाब को सहयोग कर रहे हैं, पूरा देश पंजाब के साथ खड़ा है- केजरीवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर दिल्ली के प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज भीषण बाढ़ से जूझ रहे पंजाब के लोगों की मदद के लिए राहत सामग्री लेकर बुधवार सुबह पंजाब के लिए रवाना हो गए। दिल्ली से "आप" द्वारा बाढ़ राहत सामग्री की यह पहली खेप पंजाब भेजी गई है। ÷आप÷ के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बताया कि पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज बाढ़ राहत की सामग्री लेकर पंजाब पहुंच रहे हैं। दिल्ली से हर रोज़ बाढ़ राहत सामग्री के ट्रक लेकर "आप" के नेता, विधायक, सांसद व आम लोग भी पंजाब जाएंगे और वहां अपनी सेवा देंगे। बहुत सारे आरडब्ल्यूए और व्यापारी भी अपने अपने स्तर पर पंजाब की इस त्रासदी में अपना सहयोग कर रहे हैं। देश भर से लोग पंजाब के लिए अपना सहयोग कर रहे हैं। आज पूरा देश पंजाब के साथ खड़ा है। उधर, "आप" के वरिष्ठ नेता व पंजाब के प्रभारी मनीष सिसोदिया ने एक्स पर कहा कि पंजाब में बाढ़ पीड़ित भाइयों-बहनों की मदद के लिए आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता दिल खोलकर आगे आ रहे हैं। आज दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज राहत सामग्री लेकर पंजाब पहुंच रहे हैं।

दिल्ली से राहत सामग्री लेकर पंजाब के लिए रवाना होने से पहले "आप" के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने बुधवार सुबह मीडिया से बातचीत में कहा कि पंजाब में बहुत भीषण बाढ़ आई है और इससे बहुत सारे लोगों की खेती, जानवरों, संपत्ति आदि का नुकसान हो रहा है। इसके लिए आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार, सरकार के मंत्री-विधायक और वहां के लोग समेत सभी दल राहत कार्यों में जुटे हुए हैं। मंगलवार को अरविंद केजरीवाल ने भी कहा था कि जो जैसे सेवा कर सकता है, उसे सेवा करनी चाहिए। क्योंकि जब भी देश पर कोई विपत्ति आई, जब-जब कहीं बाढ़ आई, भूकंप आया, न सिर्फ भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में कहीं दो देशों में युद्ध भी हुआ और उसमें लोगों को नुकसान हुआ, तो सबसे पहले लंगर शुरू करने वाले हमारे पंजाबी और सिख भाई होते हैं। गुरुद्वारे की सेवा सबसे पहले ऐसी जगह पहुंचती है, जहां मीडिया भी नहीं पहुंच पाता। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि "आप" के पूर्व विधायक दुर्गेश पाठक की विधानसभा राजेंद्र नगर और दिल्ली की ओर से हम लोग राहत सामग्री की पहली खेप पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए रवाना कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल के निर्देशानुसार मैं खुद भी इस ट्रक के साथ पंजाब जा रहा हूं। अब हर दिन आम आदमी पार्टी के लोग इस तरह ट्रक लेकर अपनी सेवा करने के लिए तन, मन, धन से पंजाब पहुंचेंगे। "आप" के सभी कार्यकर्ताओं से भी कहा गया है कि जो हो सके, उन्हें मदद करनी चाहिए। क्योंकि पंजाबियों व सिखों ने पूरे देश के लिए हमेशा किया है। हम यह जो कर रहे हैं, वह उन्हीं लोगों की सेवा से प्रेरणा लेकर कर रहे हैं, जो सदियों से चली आ रही है।

सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर कहा कि पंजाब में भयंकर बाढ़ आई हुई है। पंजाब सरकार, मंत्री, और सभी लोग राहत कार्य में जुटे हुए हैं। मंगलवार को अरविंद केजरीवाल जी ने सभी से अपील की थी कि ज़रूरतमंदों की सेवा में आगे आएँ। हमारे पंजाबी, सिख भाई हर आपदा के समय सबसे पहले लंगर खोलकर सेवा करते हैं। आज दिल्ली से राहत सामग्री की पहली खेप पंजाब भेजी जा रही है। अरविंद केजरीवाल जी के निर्देश पर मैं भी इस सामग्री के साथ पंजाब जा रहा हूं।

एसटीएफ ने कंबोडिया से डिपोर्ट कराया 5 लाख का इनामी मोस्ट वांटेड क्रिमिनल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गुड़गांव– स्पेशल टास्क फोर्स यानी एसटीएफ हरियाणा ने 5 लाख के इनामी बदमाश को कंबोडिया से डिपोर्ट कराने में सफलता हासिल की है। उम्रकैद की सजा काट रहे कुख्यात अपराधी मेनपाल बादली साल 2018 में पेरोल पर जेल से बाहर आने के बाद फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनवाकर देश से फरार हो गया था। कंबोडिया में जाकर वह बिजनेस करने लगा था। आरोपी पर हत्या, हत्या के प्रयास सहित संगीन अपराधों के 22 मामले दर्ज हैं। वहीं, भोंडसी जेल में रहते हुए उसने एक कैदी की हत्या कर दी थी। इस मामले में वह भगोड़ा घोषित है। इसमें से हत्या के तीन मामलों में उसे उम्रकैद की सजा हो चुकी है। फिलहाल आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। रिमांड पर पूछताछ के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी। आईजी एसटीएफ सतीश बालन ने पत्रकारवार्ता कर बताया कि कुछ दिन पहले एसटीएफ को कुख्यात आरोपी मेनपाल के फर्जी दस्तावेज के आधार पर सोनू कुमार के नाम से पासपोर्ट बनवाया और कोलकाता एयरपोर्ट से बैंकॉक होते हुए कंबोडिया चला गया। इस सूचना पर एसटीएफ ने केंद्रीय जांच एजेंसियों से संपर्क कर कंबोडिया गवर्नमेंट से संपर्क किया। कंबोडिया गवर्नमेंट ने भी एसटीएफ हरियाणा का साथ देते हुए उसे डिटेन कर लिया और डेढ़ महीने तक कस्टडी में रखा और अब उसे डिपोर्ट कर भारत भेजा जिसे एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि अब आरोपी से पूछताछ की जाएगी कि आखिर वह किस रूट से कंबोडिया गया और उसकी किस-किस व्यक्ति ने मदद की। इन सभी को गिरफ्तार किया जाएगा।

कंबोडिया में शुरू किया बिजनेस

एसटीएफ आईजी सतीश बालन ने बताया कि आरोपी भारत से अपने साथियों के जरिए रुपए मंगवा रहा था। इस रुपये से उनसे कंबोडिया के सिएम रीप रहकर डिस्कोथेक के नाम से रेस्टोरेंट और बार का बिजनेस शुरू किया। वहां प्रेमिका के साथ लिवइन में रहने लगा और उसके 3 बच्चे भी हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि कंबोडिया जाने के बाद उसने भारत में किसी से भी संपर्क नहीं किया। वहां कोई भी नहीं जानता था कि यह मेनपाल बादली है। वहां उसने अपनी पहचान सोनू कुमार के नाम से बनाई हुई थी। फर्जी पासपोर्ट के आधार पर वह इंडोनेशिया, थाईलैंड सहित अन्य कई देशों में जा चुका है।

22 मामलों में से 3 में हो चुकी है उम्रकैद

सतीश बालन ने बताया कि आरोपी मेनपाल पर 22 मामले हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, डकैती सहित अन्य धाराओं के तहत दर्ज हैं। साल 2007 में किए गए दो मर्डर के मामले में उसे उम्रकैद की सजा हो चुकी है। वहीं, साल 2010 में किए गए एक अन्य मर्डर में भी उसे उम्रकैद हो चुकी है। कई बार उसकी पेरोल की अर्जी खारिज कराई गई, लेकिन साल 2018 में उसे तीन महीने की पेरोल मिल गई और वह जेल से बाहर आ गया। पेरोल का समय पूरा होने के बाद भी वह नहीं लौटा और देश छोड़कर भाग गया।

जिस नाम से बनाए दस्तावेज उस व्यक्ति का नहीं है कोई अस्तित्व

आईजी सतीश बालन ने बताया कि प्रारंभिक तौर की जांच में सामने आया कि उसने सरहौल के एक एड्रेस पर सोनू कुमार के नाम से फर्जी दस्तावेज तैयार किए। जब जांच की गई तो सामने आया कि सोनू कुमार नाम का कोई व्यक्ति अस्तित्व में ही नहीं है। उसने फर्जी दस्तावेज तैयार किए जिसके बाद उसने इन्हीं दस्तावेजों से अपना पासपोर्ट बनाया और देश छोड़कर चला गया।

जेल में हत्या के मामले में अब चलेगा ट्रायल

आईजी सतीश बालन ने बताया कि जेल में हत्या किए जाने के मामले में यह अदालत से भगोड़ा घोषित है। हरियाणा पुलिस ने भी आरोपी की गिरफ्तारी पर पांच लाख का इनाम घोषित किया हुआ है। जेल में हत्या किए जाने के मामले में उसके दो अन्य साथियों पर ट्रायल पूरा हो चुका है और उन्हें सजा भी हो चुकी है, लेकिन यह आरोपी फरार था जिस पर अब ट्रायल चलेगा।

इतिहास बन जाएगी डाक विभाग की रजिस्ट्री सेवा, 1 अक्टूबर से यूपी में होगी बंद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ– दो दशक से भी ज्यादा समय बाद 1877 में डाक विभाग की तरफ से शुरू की गई रजिस्ट्री पोस्ट सेवा पहली अक्टूबर से इतिहास के पन्नो में दर्ज हो जाएगी। पहले यह सेवा उत्तर प्रदेश में पहली सितंबर से बंद होनी थी। लेकिन मंत्रालय के निर्देश के बाद सेवा को इस माह तक जारी रखने का निर्णय लिया गया है।

रजिस्ट्री सेवा को स्पीड पोस्ट में कर दिया जाएगा मर्ज

भारतीय डाक विभाग ने रजिस्ट्री को स्पीड पोस्ट सेवा में विलय करने का निर्णय लिया है। डाक विभाग ने सभी विभागों, अदालतों, संस्थानों और लोगों को पहली अक्टूबर से नई व्यवस्था का उपयोग करने को कहा है। हालांकि 30 सितंबर तक यह सेवा पहले की तरह चलती रहेगी। इस बारे में भारतीय डाक विभाग लखनऊ के पोस्ट मास्टर जनरल अनिल कुमार ने बताया कि यह मंत्रालय का निर्णय है। उन्होंने बताया कि रजिस्ट्री सेवा को स्पीड पोस्ट में मर्ज कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्पीड पोस्ट सेवा कम समय मे डिलीवर होने के साथ ही इसकी ट्रैकिंग भी आसान है। शायद इस वजह से मंत्रालय ने निर्णय लिया है।

रजिस्टर्ड डाक सेवा से जुड़े कर्मचारियों को दी जाएगी ये जानकारी

डाक विभाग लखनऊ के प्रवर डाक अधीक्षक सचिन चौबे ने बताया कि इस दौरान रजिस्टर्ड डाक सेवा से जुड़े कर्मचारियों को स्पीड पोस्ट के कार्यों की जानकारी दी जाएगी। गौरतलब है कि 2000 के दशक तक डाकघरों में रजिस्ट्री चिट्ठी या रजिस्टर्ड पार्सल का अपना एक अलग रुतबा होता था। रजिस्ट्री वाली चिट्ठी भेजने के लिए अलग से काउंटर होता था। डाक घर वाले उसके लिए आपको एक रसीद काट कर देते थे। उस चिट्ठी के डिलीवर होने पर आपको पावती या एकनॉलेजमेन्ट भी मिलता था। कुल मिला कर यह डाकघर की प्रीमियम सर्विस थी।

रजिस्टर्ड पोस्ट बेहद भरोसेमंद माना जाता था

इस सर्विस को डाक विभाग ने अब बंद करने का फैसला किया है। वहीं रजिस्ट्री चिट्ठी या रजिस्टर्ड पोस्ट की अभी तक बड़ी इज्जत रही है। कोई महत्वपूर्ण कागजात भेजना हो, बाहर पढ़ने वाले बच्चों को बैंक ड्राफ्ट बना कर भेजना हो या रक्षा बंधन पर राखी, सबके लिए रजिस्टर्ड पोस्ट का इस्तेमाल होता है। आजादी के बाद से ही रजिस्टर्ड पोस्ट बेहद भरोसेमंद माना जाता था। सरकार भी अपाइन्टमेंट लेटर भेजने में इसका इस्तेमाल करती रही है। साथ ही अदालत भी कानूनी नोटिस इसके जरिए भेजा करती थी। गौरतलब है कि ब्रिटिश शासन काल मे भारतीय डाक विभाग की शुरुआत 1854 में हुई थी। उस दौरान डाक विभाग का केन्द्रीयकरण कर देश मे पहली बार डाक टिकट जारी हुए थे।

इंसानी दखल से परेशान प्रकृति का रौद्र रूप!

इस बार का मानसून का सीजन उत्तर भारत में गंभीर प्राकृतिक आपदा बनकर कहर बरपा रहा है। आमतौर पर सूखा रहने वाले राजस्थान में भी रेतीले मैदान जलमग्न है उधर पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, दिल्ली समेत उत्तर भारत में मूसलाधार बारिश भूस्खलन से आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है।

पंजाब के पठानकोट, फिरोजपुर समेत 12 जिले एक हफ्ते से बाढ़ की चपेट में हैं।राज्य में 1,312 गांवों के 2.56 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। अब तक 29 लोगों की मौत हो गई है। हरियाणा में भी बारिश का कहर जारी है भिवानी, हिसार, सिरसा, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र और पंचकूला में कुछ स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। गुरुग्राम के दफ्तरों में कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम के आदेश जारी किए गए हैं। उधर, दिल्ली में यमुना नदी के खतरे के निशान को पार करने के बाद मंगलवार को ट्रांस-यमुना क्षेत्र की कई कॉलोनियों में पानी घुस गया। यमुना बाजार, मयूर विहार और आसपास के इलाकों की कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को अपना जरूरी सामान लेकर राहत शिविरों में जाने की अपील की है।

यूपी पंजाब राजस्थान हरियाणा से लेकर हिमाचल जम्मू-कश्मीर उत्तराखंड में अतिवृष्टि से नदिया उफान पर है तो पहाड़ ढह रहे हैं बादल फटने भूस्खलन की घटनाओं में सैकड़ों जान जा चुकी है। आपको पता हो कि लगातार कई दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश ने जम्मू क्षेत्र में तबाही मचा दी है। बीते मंगलवार को वैष्णो देवी मंदिर के मार्ग पर भूस्खलन में 39 लोगों की मौत हो गई है, ये आंकड़ा बढ़ भी सकता है, क्योंकि कई लोगों के बारे में अभी तक लापता होने की जानकारी दी जा रही है। प्रशासन के मुताबिक लगातार और भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 20 लोग घायल हुए हैं, जिनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज हो रहा है। गौरतलब है कि मंगलवार को दोपहर करीब 3 बजे भूस्खलन हुआ और पहाड़ की ढलान से पत्थर, शिलाखंड और पेड़ों का मलबा एकदम से नीचे गिरने लगे। इससे बेखबर लोग इसकी चपेट में आ गए। घटना के बाद वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई। मंदिर तक जाने के दो मार्ग हैं, जिसमें हिमकोटि पैदल मार्ग पर सुबह से यात्रा स्थगित कर दी गई थी, जबकि पुराने मार्ग पर दोपहर डेढ़ बजे तक यात्रा जारी थी। अब भारी बारिश के अंदेशे के बीच यात्रा अगले आदेश तक स्थगित करने का फैसला किया गया है। हालांकि यही समझ पहले दिखाई गई होती तो शायद 39 लोग अकाल मौत न मरते। जब लगातार तेज बारिश हो रही थी तो यात्रा जारी रखने की लापरवाही क्यों बरती गई। पहाड़ी इलाकों में बारिश का कहर लगातार बरप रहा है, फिर भी सरकार इस तरफ से सचेत क्यों नहीं हो रही, यह समझ से परे है।

इससे पहले 14 अगस्त को किश्तवाड़ जिले के मचैल माता मंदिर के रास्ते में पड़ने वाले आखिरी गांव चशोती में बादल फटने के कारण अचानक बाढ़ आ गई, जिसमें कम से कम 65 लोगों की मौत हो गई और भीषण तबाही का मंजर सामने आया। मरने वालों में ज्यादातर तीर्थयात्री थे। इस प्राकृतिक आपदा में 100 से अधिक लोग घायल हो गए तथा 32 लोग अब भी लापता हैं। आपको बता दें कि जम्मू-कश्मीर के अलावा हिमाचल प्रदेश और पंजाब भी बाढ़ और भूस्खलन की चपेट में हैं। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में पिछले महीने ही बाढ़ से काफी तबाही हुई थी। अब एक बार फिर हालात गंभीर है। भारी बारिश के कारण प्रदेश के 8 जिलों में सभी शिक्षण संस्थानों में छुट्टी कर दी गई है। वहीं ब्यास नदी का जलस्तर अचानक इतना बढ़ गया कि नदी चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे पर बहने लगी। मनाली के बाहंग में कुछ दुकानें, घर और शेरे-ए-पंजाब होटल नदी में बह गए। फिलहाल नदियों का जलस्तर बढ़ने से मंडी, कांगड़ा, चंबा और कुल्लू में रेड अलर्ट जारी किया गया है, चंबा में मणिमहेश यात्रा रोक दी गई है। लेकिन इससे पहले मणिमहेश यात्रा के दौरान ऑक्सीजन की कमी के चलते पंजाब के चार श्रद्धालुओं की मौत भी हो गई।

वहीं मूसलाधार बारिश के बीच लाहौल-स्पीति, शिंकुला दर्रा, बारालाचा, खरदुंगला और रोहतांग जैसे ऊंचाई वाले इलाकों में सीजन की पहली बर्फबारी हुई है। शिंकुला दर्रे में अब तक करीब आठ इंच बर्फ गिर चुकी है। इस बर्फबारी को देखते हुए इलाके में शीतलहर का असर बढ़ गया है। बता दें कि हिमाचल प्रदेश में अगस्त में अब तक सामान्य से 44 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है।

हिमाचल प्रदेश में कुदरत का कहर ऐसा बरपा है कि 20 जून से 1 सितंबर तक 326 लोग इसकी बलि चढ़ गए, वहीं, 41 लोग अभी भी लापता हैं और 385 लोग इस बरसात में अब तक घायल हुए हैं। प्रदेश में बादल फटने, बाढ़ और लैंडस्लाइड की वजह से 4196 घरों की अपनी चपेट में लिया। इसमें 861 कच्चे और पक्के घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हुए हैं। जबकि 3335 घरों को आंशिक तौर पर नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा प्रदेशभर में अब तक 3813 गौशालाएं ध्वस्त हुई हैं और 471 दुकानों/फैक्ट्रियों को नुकसान पहुंचा है।

हिमाचल प्रदेश में इस साल अगस्त की बारिश ने 76 साल का रिकॉर्ड तोड़ा दिया। बीते महीने सामान्य से 68% ज्यादा (256.8 इंच) बारिश हुई। यह 1949 के बाद से सबसे ज्यादा है। शिमला में पिछले 24 घंटे में लैंडस्लाइड और मकान गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई है। मौसम विभाग ने मंगलवार को हिमाचल के 6 जिलों में बहुत तेज बारिश का रेड अलर्ट है। 8 जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे।उत्तराखंड के सभी 13 जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद हैं।

सोमवार को उत्तराखंड में केदारनाथ मार्ग पर लैंडस्लाइड से दो लोगों की मौत हो गई और 6 घायल हो गए। भारी बारिश के कारण चार धाम यात्रा 5 सितंबर तक स्थगित कर दी गई है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के कारण पंजाब की नदियां उफान पर हैं। पंजाब के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति बन गई है। भारी बारिश और बाढ़ के कारण गुरदासपुर के जवाहर नवोदय विद्यालय के 400 छात्र और 40 स्टाफ स्कूल परिसर में ही फंस गए। बाढ़ का पानी निचली मंजिल की कक्षाओं में भर गया। आरोप है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के दौरे के कारण प्रशासनिक अधिकारी आवभगत की तैयारियों में फंसे रहे और बच्चे स्कूल में परेशान होते रहे। इस पर अभिभावकों ने नाराजगी जाहिर की। अब तीन दिन तक स्कूल बंद रखने का फैसला लिया गया है।

जम्मू-कश्मीर से पंजाब तक या उससे पहले महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, उत्तराखंड, दिल्ली, बिहार, हरियाणा, असम इन तमाम राज्यों में बाढ़, बारिश, भूस्खलन आदि की जितनी भी घटनाएं अभी हो रही हैं, या अतीत में हुई हैं, उनमें फौरी राहत के उपाय के अलावा और कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है, ताकि भविष्य में सुरक्षा का इंतजाम हो। इसे अब प्राकृतिक आपदा नहीं बल्कि मानव निर्मित आपदा की तरह मानकर दोषियों की शिनाख्त करने की जरूरत है, तभी ठोस समाधान निकल पाएगा या असल मायनों में बचाव कार्य हो पाएगा। हर बार बाढ़ या भू स्खलन के बाद लोगों को प्रभावित स्थानों से निकालने को अगर हमने बचाव कार्य माना तो फिर यह भी मान लेना चाहिए कि हम ऐसी आपदाओं को निमंत्रण दे रहे हैं।

याद रहे कि बाढ़ हो या बारिश इनकी चपेट में मंत्री, अधिकारी या सरकार में फैसले लेने वाले लोग नहीं आते हैं, उनके तो आरामगाहों में बारिश से बचने के लिए खूब जगह है और वो ऐसे मौसम का लुत्फ उठाते हैं। सरकारों को इस बात का दर्द नहीं है कि बारिश में कैसे बसी-बसायी जिंदगियां बह जाती हैं। असली दिक्कत तो आम जनता को होती है। जिनकी अकाल मौत होती है, उनके पीछे पूरा परिवार प्रभावित होता है। मौत से बचे तो विस्थापन का दंश सहना पड़ता है। अपने घरों को छोड़कर राहत शिविरों में शरणार्थियों की तरह रहना पड़ता है। जतन से संजोई गृहस्थी उजड़ जाती है, तो कितनी तकलीफ होती है, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में लगी हुई सरकारें प्रकृति के इशारे को समझती। लगातार बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं बता रही हैं कि पहाड़ों को काटकर या नदी के प्राकृतिक रास्ते को नियंत्रित कर वहां व्यावसायिक गतिविधियां करना मौत को दावत देने के समान है। प्रकृति खुलकर संकेत दे रही है कि इंसान संभल जाए और जंगलों का, खदानों का अंधाधुंध दोहन बंद करे। इस संकेत को गंभीर चेतावनी बतौर समझना चाहिए वरना इस क्षति की कोई भरपाई नहीं है।

मनोज कुमार अग्रवाल

चीन की चालज्तानाशाह की किस्मत!

हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान होते हुए चीन पहुंचे हैं। जापान से हमारे रिश्ते हमेशा ही बेहतरीन रहे हैं, जापान का नजरिया हमारे प्रति केवल आर्थिक ही नहीं है, सांस्कृतिक भी है। हम भले ही उन्हें आर्थिक रूप से पछाड़ कर तीसरी बड़ी शक्ति बन चुके हैं लेकिन जापान की तकनीकी क्षमता कमाल की है। जहां तक सात साल बाद प्रधानमंत्री की चीन यात्रा का सवाल है तो पूरी दुनिया की आंखें लगी हुई हैं कि ये महाशक्तियां क्या करने जा रही हैं. इस बीच खबर है कि ट्रम्प ने अपनी प्रस्तावित भारत यात्रा रद्द कर दी है। उन्होंने भारत को डेड इकोनॉमी कहा लेकिन भारतीय जीडीपी अभी भी 7.5 की रफ्तार से बढ़ रही है। ट्रम्प को निश्चय ही मिर्ची लग रही होगी लेकिन मुझे लगता है कि अभी भी यदि सही तरीके से प्रयास किए जाएं तो दोनों देशों के रिश्ते पटरी पर लौट सकते हैं।

इस पूरे उथल-पुथल के बीच एक खबर ने सबका ध्यान खींचा है। चीन ने बीजिंग में 3 सितंबर को होने वाली सैन्य परेड के लिए उत्तर कोरिया के खूंखार तानाशाह को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। उस सैन्य परेड में पुतिन भी होंगे। सवाल यह है कि इस साल चीन ने उत्तर कोरिया के तानाशाह को क्यों बुलाया है? इसके पहले 1959 में किम जोंग उन के दादा किम सुंग ने चीनी परेड में भाग लिया था। उसके बाद से वहां के किसी नेता को चीन ने कभी बुलाया ही नहीं। तो इस बार ऐसा क्या हो गया कि किम जोंग उन के लिए अचानक प्रेम उमड़ पड़ा? यह हम सभी जानते हैं कि उत्तर कोरिया के दो सबसे बड़े समर्थक हैं। एक रूस और दूसरा चीन, वह दोनों की गोद में खेलता है। लेकिन दोनों ही देश यह जानते हैं कि ये दुनिया का उपद्रवी गुंडा है और अमेरिका के खिलाफ एक कारगर हथियार के रूप में काम आ सकता है।

किम जोंग उन जानते हैं कि यदि इन दो पड़ोसियों ने कभी नाक टेढ़ी कर ली तो मुश्किल होगी. इसलिए वे अपने सैनिकों को रूस की ओर से लड़ने के लिए भेजते हैं तो जरूरत के अनुसार रूस और चीन को मजदूरों की सप्लाई भी करते हैं। मजदूरों और सैनिकों के हिस्से में बस थोड़ा सा पैसा आता है और ज्यादतर हिस्सा किम जोंग के हिस्से में चला जाता है। अमेरिका और नॉर्थ कोरिया में हमेशा 36 का आंकड़ा रहा क्योंकि कोरिया के दो भागों में टूटने के बाद साउथ कोरिया पर अमेरिका का साया रहा जबकि रूस के साये में नॉर्थ कोरिया तानाशाह के कब्जे में चला गया। अमेरिका ने बहुत कोशिश की लेकिन किम जोंग उन ने आखिरकार परमाणु बम बना ही लिया और वह दावा करते हैं कि न्यूयॉर्क, वाशिंगटन से लेकर दूसरे तमाम अमेरिकी शहर उनकी जद में हैं। आपको याद होगा कि 2019 में डोनाल्ड ट्रम्प ने किम जोंग उन से मुलाकात भी की थी। उस मुलाकात में चीन ने पर्दे के पीछे से बड़ी भूमिका निभाई थी। तानाशाह ने ट्रम्प की एक बात भी नहीं मानी और ट्रम्प का शांति दूत बनने का ख्वाब अधूरा रह गया।

ट्रम्प की चाहत है कि तानाशाह से वे एक बार और मिलें, अभी हाल ही में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्यांग से मुलाकात के दौरान ट्रम्प ने यह इच्छा जाहिर की थी। इसी साल के अंत में वे शी जिनपिंग से भी मिलना चाहते हैं। ट्रम्प की इस इच्छा ने ही संभवत÷ चीन को इस बात के लिए प्रेरित किया कि वह किम जोंग उन को बुलाकर अमेरिका को यह संदेश दे कि दुनिया का ये गुंडा तो हमारा है। चीन की इस चाल के पीछे मंशा यही है कि अमेरिका को धमकाया जा सके। बीजिंग सैन्य परेड में पुतिन भी साथ में होंगे तो अमेरिका की कुछ ज्यादा ही जलेगी। आपको याद होगा कि 2019 में ट्रम्प से मुलाकात के ठीक पहले 2018 में किम ने बीजिंग की यात्रा की थी। इसलिए यह मानने में कोई हर्ज नहीं है कि अमेरिका को स्पष्ट रूप से संदेश मिल जाएगा कि ट्रम्प और किम के बीच चीन फंदा फंसाए रखेगा। जब ट्रम्प के साथ शी जिनपिंग की बात होगी तो निश्चित रूप से शी जिनपिंग ज्यादा भारी पड़ेंगे।

अब आप इस बात पर नजर डालिए कि चीन की यह बड़ी चाल तानाशाह के लिए तोहफा लेकर आई है, इस समय करीब-करीब पूरी दुनिया ने नॉर्थ कोरिया का बहिष्कार कर रखा है। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान, कंबोडिया, वियतनाम, ईरान, लाओस, मलेशिया, उज्बेकिस्तान, नेपाल, मालदीव, बेलारूस, तुर्कमेनिया, अर्मेनिया, सहित दुनिया के 20 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्षों की मौजूदगी वाली सैन्य परेड में किम की उपस्थिति निश्चित रूप से उनकी तानाशाही को वैधता ही प्रदान करेगी, लेकिन इसमें आश्चर्य क्यों होना चाहिए? एक तानाशाह हमेशा दूसरे तानाशाह का साथ ही देता है। मगर किम जोंग उन नाम का यह तानाशाह शायद ईदी अमीन और हिटलर से भी ज्यादा खतरनाक है. उसके शासनकाल में क्रूरता की सारी हदें पार की जा रही हैं। वहां से खबरें आमतौर पर बाहर नहीं आ पातीं लेकिन जो लोग किसी तरह सीमा पार करके साउथ कोरिया आने में सफल रहे हैं, उनकी कहानियां रोंगटे खड़े कर देती हैं। राजधानी प्योंगयांग में रहने का अधिकार केवल उस वर्ग को है जो किम का वफादार है, देश के बाकी हिस्सों के नॉर्थ कोरियाई नागरिक राजधानी में नहीं घुस सकते. गांवों में भीषण गरीबी है। यदि किसी ने भूलवश भी किसी तरह की गुस्ताखी कर दी तो उसकी तीन पीढ़ियां जेल में सड़ेंगी। वहां लोग अपनी मर्जी के कपड़े नहीं पहन सकते, अपनी मर्जी से हेयर स्टाइल भी नहीं रख सकते। कोई गुस्ताखी माफ नहीं है। उसके डिफेंस चीफ को बैठक में झपकी आ गई तो उसे गोली से उड़ा दिया गया। किम ने अपने भाई किम जोंग नैम को मलेशिया एयरपोर्ट पर चेहरे पर जहर मलवा कर मार दिया था। ऐसे तानाशाह को मजबूती मिलने का मतलब है, नॉर्थ कोरिया में दमन को वैधता प्रदान करना लेकिन क्या कीजिएगा, ट्रम्प ने हालात ऐसे पैदा कर दिए हैं कि ऐसी शक्तियां एकजुट होंगी। आम आदमी की जिंदगी से उन्हें क्या लेना-देना। खुशनसीब हैं हम कि ऐसे भारत में रहते हैं जहां आजादी मौजूद है, सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा।

दैनिक राशिफल

ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ
डॉ. कौशलेन्द्र पाण्डेय जी
मो.9455715061,8896344970

१.मेष- आज पूरानी योजना फलीभूत होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। मतभेद समाप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कार्य में प्रगति होगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। समय आपके पक्ष में है।

२.बृष- परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। बुद्धि का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें।

३.मिथुन- स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बुद्धि व ज्ञान की वृद्धि होगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। बड़ों की बात मानें, लाभ होगा। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। वरिष्ठ जन सहयोग करेंगे। जोखिम न लें। आलस्य रहेगा।

४.कर्क- आज पूरा दिन दौड़धूप अधिक होगी। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। घर-बाहर तनाव रहेगा। शांति बनाए रखें। अधिक प्रयास करने से लाभ होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

५.सिंह- विवाद को बढ़ावा न दें। उत्तेजना पर नियंत्रण आवश्यक है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। घर में अशांति रहेगी। कुसंगति से बचें। वस्तुएं संभालकर रखें। कोई बड़ी समस्या खड़ी हो सकती है, धैर्य रखें।

६.कन्या- आज उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। दूसरों के काम की जवाबदारी न लें। प्रयास भरपूर करें, लाभ होगा। वरिष्ठजनों से मेल-मुलाकात होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

७.तुला- लाभ के अवसर हाथ आएंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा से लाभ होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम उठाने व जल्दबाजी करने से बचें।

८.वृश्चिक- रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बाहरी-भीतरी मतभेद समाप्त होने से प्रसन्नता रहेगी।

९.धनु- इन दिनों भाई व पार्टनर से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य अनुकूल है। समय का लाभ लें। रोजगार में वृद्धि होगी। परिवार में कोई मंगल कार्य हो सकता है। प्रसन्नता रहेगी। अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे।

१०.मकर- आज के दिन में साधनों पर अतिव्यय हो सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बोलचाल में हल्की मजाक न करें। घर-बाहर तनाव रह सकता है। कार्यकुशलता में कमी रहेगी। कोई बड़ी गलती हो सकती है। अपरिचितों पर विश्वास न करें।

११.कुंभ- तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। प्रतिद्वंद्वी शांत रहेंगे। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी से काम बिगड़ सकते हैं। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। आय के नए स्त्रोत प्राप्त हो सकते हैं। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

१२.मीन- आज आपको पूरा मेहनत का फल मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। आय में वृद्धि होगी। कोई बड़ी समस्या का हल मिलेगा। मित्र व संबंधी सहयोग करेंगे। घर के बड़ों की चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। संतान पक्ष तरक्की करेगा।

संपादकीय

वोटर अधिकार यात्रा में अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल चिंतनीय

बिहार में विधानसभा चुनावों की घोषणा जल्द होने की उम्मीद है। सभी पार्टियां चुनाव की तैयारी में जुटी हुई हैं। लेकिन लोकतंत्र में चुनाव केवल जीत-हार का खेल नहीं होते, बल्कि यह पूरे समाज की राजनीतिक संस्कृति का आईना होते हैं। मतदाता किसी भी दल को वोट देते समय केवल उसके वादों या घोषणाओं पर ही भरोसा नहीं करते, बल्कि यह भी देखते हैं कि उसके नेता किस तरह बोलते हैं, किस प्रकार अपनी बात रखते हैं और उनकी राजनीतिक शैली में कितना संयम और शालीनता है। भारतीय राजनीति में अब तक यह परंपरा रही है कि विपक्ष सत्ताधारी नेताओं की आलोचना करता है, उनकी नीतियों और फैसलों पर सवाल उठाता है, लेकिन व्यक्तिगत स्तर पर भाषा की मर्यादा बनाए रखता है। इस परंपरा को तोड़ने की कोशिश आज कांग्रेस करती दिखाई दे रही है। राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लगातार तीखे और अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करना शुरू कर दिया है। कभी उनकी पृष्ठभूमि पर तंज कसे जाते हैं, कभी उनकी मां को लेकर अपमानजनक बयान सामने आते हैं और अब सीधे-सीधे उन्हें 'तू' कहकर संबोधित करने की परंपरा भी शुरू हो चुकी है। सवाल यह है कि क्या ऐसी 'फूहड़पन' से कांग्रेस सत्ता में लौट पाएगी या फिर यह रणनीति उसे और नुकसान पहुंचाएगी।

राजनीतिक इतिहास गवाह है कि भारत में जब भी किसी नेता पर व्यक्तिगत हमले हुए, उसका परिणाम अक्सर हमलावर को नुकसान और हमले का शिकार बने व्यक्ति को लाभ के रूप में सामने आया। अतीत में अटल बिहारी वाजपेयी हों या मनमोहन सिंह, उनके कार्यकाल में भी विपक्ष ने कई मुद्दों पर तीखा विरोध किया लेकिन व्यक्तिगत मर्यादा को लांघा नहीं। यही कारण था कि जनता दोनों को गरिमा से भरे प्रधानमंत्री के रूप में याद करती रही। नरेंद्र मोदी की राजनीति ने पिछले एक दशक में विपक्ष के लिए यह संदेश और भी स्पष्ट कर दिया है कि उन पर निजी हमले उल्टा असर डालते हैं। जब 2019 के चुनाव से पहले 'चौकीदार चोर है' का नारा बुलंद किया गया तो उसका नतीजा यह हुआ कि मोदी ने उसी नारे को अपने पक्ष में बदलकर 'मैं भी चौकीदार' अभियान चलाया और जनता के बीच सहानुभूति की लहर पैदा कर दी। नतीजा यह हुआ कि बीजेपी ने पहले से भी बड़ी जीत दर्ज कर ली।

2023 और 2024 में राहुल गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान जब ÷मुहब्बत की दुकान÷ का नारा दिया, तो कांग्रेस समर्थकों को लगा कि यह पार्टी की छवि सुधारने का प्रयास है। राहुल गांधी का फूलों के साथ लोगों से संवाद करना, फ्लाइंग किस देना और संसद में अपेक्षाकृत सौम्य भूमिका निभाना, सबने मिलकर यह संदेश देने की कोशिश की कि कांग्रेस नफरत नहीं, बल्कि मोहब्बत और एकता की राजनीति करना चाहती है। यह एक सकारात्मक और आकर्षक प्रयोग था, जिसने राहुल की छवि को एक हद तक मानवीय और उदारवादी बनाया। लेकिन इसी दौरान सोशल मीडिया पर कांग्रेस की आईटी और मीडिया सेल लगातार प्रधानमंत्री के खिलाफ अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करती रही। यही नहीं, 2024 के लोकसभा चुनाव में जब कांग्रेस ने सौ से अधिक सीटें पायीं तो पार्टी के नेताओं में जोश और बढ़ गया और उन्होंने व्यक्तिगत स्तर पर मोदी के खिलाफ अपशब्द बोलना तेज कर दिया।

राहुल गांधी खुद अब 'फूहड़पन' पर उतर आए हैं। बिहार में उनकी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री को लेकर जिस तरह की भाषा इस्तेमाल हुई, उसने राजनीतिक माहौल को और विषाक्त बना दिया। कांग्रेस के आधिकारिक एक्स हैंडल से जारी पोस्टर में मोदी को वोट चोर तक कहा गया। इससे यह सवाल और गहरा हुआ कि आखिर कांग्रेस अपनी राजनीतिक असफलताओं का समाधान इस तरह की भाषा में क्यों ढूंढ रही है। गुरुवार को जब राहुल गांधी की सभा में मंच से मोदी की मां को लेकर भी अपमानजनक टिप्पणी की गई, तो पटना में हालात बिगड़ गए और अगले ही दिन बीजेपी कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस दफ्तर पर हमला बोल दिया। यह टकराव लोकतांत्रिक राजनीति को हिंसा और अव्यवस्था की तरफ धकेलने वाला था। गृहमंत्री अमित शाह ने प्रतिक्रिया दी कि ÷जितनी गालियां मिलेंगी, उतना ही कमल खिलेगा।÷ इस कथन से साफ है कि बीजेपी इसे सीधे राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल करेगी।

मतदाता मनोविज्ञान को समझना कांग्रेस के लिए बेहद जरूरी है। भारत का आम मतदाता भले ही भावुक हो, लेकिन वह यह अच्छी तरह जानता है कि व्यक्तिगत गाली-गलौज राजनीति का विकल्प नहीं हो सकती। गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, महंगाई जैसे मुद्दे उसकी रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करते हैं। यदि कोई विपक्षी दल इन मुद्दों पर ठोस नीतियां और व्यवहारिक समाधान प्रस्तुत करे, तो जनता उसे गंभीर विकल्प मानेगी। लेकिन जब वही दल केवल अपशब्दों और नकारात्मक अभियानों में उलझा हो, तो मतदाता उसे अस्वीकार कर देता है। यही कारण है कि कांग्रेस के तमाम प्रयासों के बावजूद जनता का भरोसा बीजेपी से पूरी तरह नहीं टूटा।

आज कांग्रेस के पास केवल तीन राज्यों में सरकारें हैं। बाकी राज्यों में संगठन बेहद कमजोर है। पार्टी के भीतर गुटबाजी, रणनीति की अस्पष्टता और नेतृत्व पर सवाल भी मौजूद हैं। इन परिस्थितियों में यदि कांग्रेस सत्ता में वापसी चाहती है, तो उसे सबसे पहले अपने संगठन को मजबूत करना होगा, नीतिगत स्पष्टता लानी होगी और जनता से सीधे जुड़े मुद्दों पर विश्वसनीय कार्यक्रम देना होगा। केवल मोदी विरोध ही उसकी राजनीतिक पहचान का आधार नहीं हो सकता।

सच यह है कि मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं, और 11 वर्षों से लगातार इस पद पर बने हुए हैं। चाहे किसी को पसंद हों या न हों, जनता का एक बड़ा वर्ग उन्हें स्वीकार करता है। ऐसे में यदि विपक्षी नेता उन्हें फूहड़पन या नीच-गंवार कहकर संबोधित करेंगे, तो यह न केवल प्रधानमंत्री का अपमान है बल्कि उस जनता का भी अपमान है जिसने उन्हें चुनकर वहां बैठाया है। लोकतंत्र में असहमति की गुंजाइश होनी चाहिए, लेकिन असहमति का मतलब अपमानजनक भाषा कभी नहीं हो सकता।

कांग्रेस को यह समझना होगा कि राजनीति में संयम ही सबसे बड़ा हथियार है। अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार कहा था कि लोकतंत्र में विपक्ष सरकार की आलोचना करे, पर सरकार को दुश्मन न माने। यही संतुलन आज कांग्रेस को अपनाना चाहिए। यदि वह केवल नकारात्मकता और आक्रामक भाषा पर जोर देगी, तो उसका फायदा बीजेपी को ही मिलेगा। मतदाता को आकर्षित करने के लिए जरूरी है कि कांग्रेस सकारात्मक एजेंडा प्रस्तुत करे, अपनी वैचारिक दिशा स्पष्ट करे और युवाओं, किसानों, महिलाओं और गरीबों की वास्तविक समस्याओं को संबोधित करे।

आखिर में यही कहा जा सकता है कि फूहड़पन की भाषा से कांग्रेस सत्ता में नहीं आ सकती। इस रास्ते से उसे केवल क्षणिक ताली और सुर्खियां तो मिल सकती हैं, लेकिन स्थायी राजनीतिक लाभ कभी नहीं। भारतीय मतदाता परिपक्व हो चुका है और वह जानता है कि सत्ता में आने वाली पार्टी से उसे ठोस शासन, विकास और स्थिरता चाहिए, न कि गाली-गलौज और उत्तेजना। यदि कांग्रेस ने इस वास्तविकता को नहीं समझा और अपने व्यवहार में संयम नहीं लाया, तो उसका सत्ता से दूर होना तय है। सत्ता में लौटने का मार्ग केवल शालीनता, संगठन और सकारात्मक राजनीति से ही प्रशस्त होगा।

महेन्द्र तिवारी

शंघाई सहयोग संगठन सम्मेलन बना ब्रिक्स के लिए मजबूत आधार यूरेशिया से राजनीतिक संतुलन की तैयारी

तियानजिन, चीन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने वैश्विक बाजार के नियोजन का एक ड्राफ्ट तैयार कर आह्वान किया है कि सभी संगठन के सदस्य देश इस बड़े सदस्य देशों के बाजार का पूरा लाभ लेकर इसका समुचित लाभ उठाएं। इस सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपनी बात रखते हुए कहा कि संगठन में शामिल सभी सदस्य देश को संयुक्त ब्रांड बेचने चाहिए जिससे सभी देशों को भरपूर लाभ मिलेगा एवं यह ठोस कदम आर्थिक सहयोग को और विस्तारित करेगा। शी जिनपिंग के प्रस्ताव पर पुतिन तथा अन्य देशों ने अपना भरपूर समर्थन जताया है। महत्वपूर्ण है कि शंघाई सहयोग संघटन दस सदस्य देशों का एक यूरेशियाई राजनीतिक,आर्थिक औरअंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण संगठन है। जिसकी स्थापना 2001 में चीन , कज़ाकिस्तान , किर्गिस्तान , रूस , ताजिकिस्तान और उज़्बेकिस्तान द्वारा की गई थी। जून 2017 में भारत और पाकिस्तान को मिलाकर इसका विस्तार आठ देशों तक हो गया था इसके उपरांत ईरान और फ़िलिस्तीन को जुलाई 2023 में और बेलारूस जुलाई 2024 में इस समूह में शामिल किया गया। इनमे कई देश पर्यवेक्षक तथा संवाद के भागीदार के रूप में शामिल किये गए हैं। अब इस सम्मेलन के बाद यह संगठन भारत रूस चीन और अन्य देशों की आपसी सहयोग की भागीदारी से काफी शक्तिशाली बनकर उभरा है। सम्मेलन ऐसे वक्त में हुआ है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने राष्ट्रपति पद की दूसरी पारी अमेरिका में खेल कर अपनी नई टैरिफ पॉलिसी के कारण पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बने हुए हैं।

भारत पर रुस से तेल खरीदने एवम उसे परिष्कृत के उपरांत बेचकर हार्दिक लाभ कमाने एवं रूस यूक्रेन युद्ध को भड़काने के तथाकथित आरोप लगाकर भारत से अमेरिका में भेजे जाने वाली निर्यात की वस्तुओं के ऊपर आयात शुल्क 50% तक कर दिया है। इसी संदर्भ में उसने चीन को भी 100% टैरिफ लगाने की धमकी दी है और इसके पूर्व अमेरिका तथा यूरोपीय देशों ने रूस पर यूक्रेन पर आक्रमण करने के फल स्वरूप अनेक प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका का इस तरह एक नया आर्थिक आतंकवाद ही है जो पूरी दुनिया में टैरिफ लगाकर अपनी आर्थिक आतंकवादी दादागिरी का परचम फैला रहा है।

चीन के राष्ट्रपति ने कहा कि इस संगठन के सदस्य देशों से ऊर्जा, बुनियादी ढांचे, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का आग्रह किया है उन्होंने कहा है कि सदस्य देशों के आपसी समझौते किस राष्ट्रीय मुद्राओं के बढ़ने उपयोग के साथ वास्तविक बहुपक्षीय सहयोग को पुनर्जीवित किया है और यह प्रणाली यूरोसिया में स्थिरता और सुरक्षा को एक मजबूत आधार देगी सम्मेलन ने सामूहिक रूप से नई वैश्विक आर्थिक व्यवस्था का स्वरुप बनकर अमेरिका तथा यूरोप को सीधे-सीधे चुनौती देने का काम किया है। चीन के राष्ट्रपति ने कहा की हिंसा और टकराव की मानसिकता को अब सदस्य देशों को मिलकर इसे मूल रूप से नष्ट किया जाना चाहिए।

वैश्विक तकरार,हिंसा को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसा करने से दुनिया बहुत जरूरी व्यवस्था की ओर आगे बढ़ाने की ओर अग्रसर होगा। विश्व व्यापार संगठन को धरातल मानकर बहुपक्षी व्यापार व्यवस्था को लागू किया जाना चाहिए। शी जिनपिंग ने कहा कि अब शंघाई सहयोग संगठन 26 देश की भागीदारी के साथ दुनिया का सबसे बड़ा क्षेत्रीय संगठन बन गया है जिसका कुल आर्थिक सहयोग तथा उत्पादन लगभग 30 लाख करोड डॉलर का हो चुका है। आर्थिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए शंघाई सहयोग संगठन का एक विकास बैंक की स्थापना की जानी चाहिए।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्मेलन में सी जिन पिंग और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की मौजूदगी में कहा कि आतंकवाद के खुले समर्थन को स्वीकार नहीं किया जाएगा कोई भी देश समाज और नागरिक खुद को ऐसे में आतंकवाद से सुरक्षित नहीं मान सकता है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि भारत एक मूल मंत्र रिफॉर्म,परफॉर्म

और ट्रांसफॉर्म पर आगे बढ़ रहा है उन्होंने कहा कि कोविड की महामारी जैसा भयानक काल हो या वैश्विक आर्थिक मंदी की स्थिति भारत ने हर एकस्थिति का सामना कर उसका डटकर मुकाबला किया है और उसे अवसर मानकर अपनी विकास की यात्रा को आगे बढ़ाया है। भारत सदैव आर्थिक सुधारो पर अपनी नीति अपनाते हुए आगे आया है जिससे देश के आर्थिक विकास के साथ वैश्विक को -ऑपरेशन के लिए नए-नए रास्ते और बाजार खुल रहे हैं। इस अवसर पर व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि यूक्रेन संकट के लिए रूस नहीं नाटो तथा यूरोपीय देश जिम्मेदार है। 2014 में पश्चिमी देशों के बहकावे में आकर यूक्रेन ने कीव में तख्ता पलट किया था। उन्होंने आगे कहा कि कीव को नाटो में शामिल करने के लगातार प्रयास रूस यूक्रेन युद्ध का एक बड़ा कारण है। पश्चिमी देश यूक्रेन को लगातार नोटों में शामिल करने का प्रयास कर रहे हैं जो की रूस की संप्रभुता के खिलाफ है।

कुल मिलाकर शंघाई सहयोग संगठन सम्मेलन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उनकी टैरिफ पॉलिसी के कारण एक खुली चुनौती है। इस सम्मेलन में सदस्य देशों के नजदीक आने व्यापार समझौते एवं रक्षा उपकरणों के लेनदेन से आने वाले कल में ब्रिक्स जैसे संगठन को मजबूत आधार मिलने की पूरी संभावना है। ब्रिक्स संगठन में कुल 5 महत्वपूर्ण सदस्य हैं जिसमें ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और साउथ अफ्रीका शामिल है,और इस संगठन का मूल उद्देश्य ही भू राजनीतिक सहयोग, सुरक्षा सहयोग तथा आर्थिक सहयोग की पृष्ठभूमि को मजबूत बनाने का है। निश्चित तौर पर शंघाई सहयोग सम्मेलन ब्रिक्स को एक नई ऊर्जा और आधारशिला प्रदान करेगा। अब विश्व की बदली हुई राजनीतिक दशा और दिशा क्या नया परिदृश्य विश्व के सामने रखने वाले हैं यह तो वक्त ही बताएगा पर इससे हम आशा करते हैं कि वैश्विक शांति की स्थापना और व्यापार के विकास एवं मानवी संवेदनाओं को काफी मजबूती तथा शक्ति प्राप्त हो सकती है।

संजीव ठाकुर

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

तेलंगाना एक्सपोजर विजिट के लिए रवाना हुई माधुरी सिंह

माल,लखनऊ। पंचायती राज विभाग ने कई जनपदों से चयनित ग्राम प्रधान और पंचायत सचिवों का चयन किया है। यह सभी तेलंगाना राज्य में एक्सपोजर विजिट के दौरान पंचायत स्तर पर बेहतर कार्य के तरीके सीखेंगे। इसमें लखनऊ जिला से एक प्रधान माधुरी सिंह का चयन किया गया है। एक्सपोजर विजिट 1 से 5 सितंबर तक चलेगा। इसमें काकोरी विकासखंड की ग्राम पंचायत थावर की महिला ग्राम प्रधान माधुरी सिंह का चयन हुआ था।जो कि लखनऊ से तेलंगाना के लिए रवाना हो चुकी हैं। ग्राम पंचायत थावर की अंग्रेजी एवं अर्थशास्त्र से एम ए की पढ़ाई कर शिक्षित अपनी धुन की पक्की महिला प्रधान माधुरी सिंह ने गांव के विकास की नई इबारत लिखी। गांव की चमाचम पक्की, विद्युतीकरण से हर घर रोशन हुए। स्वच्छता मिशन को कामयाब बनाया। अब हर घर में शौचालय के साथ ही यहां जल संचयन, जलनिकासी, शुद्ध पेयजल का प्रबंध भी पुख्ता है। असहाय, वृद्ध, दिव्यांग, विधवा महिलाओं को सरकारी पेंशन दिलाया है।

बुधवार बाधित रहेगी बिजली सप्लाई

बिसवां (सीतापुर)। विद्युत उपकेंद्र साण्डा व बिसवां के बीच 33 के0वी0 लाइन का मेंटीनेंस एवं अनुरक्षण कार्य कराना बुधवार 3 सितंबर 2025 को प्रस्तावित है। जिसके कारण बुधवार सुबह 9 बजे से सायं 5 बजे तक 33 के0वी0 साण्डा पावर सब स्टेशन से पोषित 11 के0वी0 मोहारी फीडर, सांण्डा फीडर, जहांगीराबाद फीडर व टेढ़वाडीह फीडर की सप्लाई पूर्ण रूप से बाधित रहेगी। उपभोक्ताओं की असुविधा के लिए खेद है। ?इस बात की जानकारी अवर अभियंता साण्डा सुरेश चन्द्र ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

भक्तिमय भजन संध्या का किया गया आयोजन

बिसवा सीतापुर 21वे श्री गणेश महोत्सव के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रंखला में महोत्सव के पांचवें दिन सोमवार को गजानन महाराज के समक्ष तत्सत सेवा संस्थान सीतापुर की टीम की तरफ से भक्तिमय भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें भजन गायकों ने गजानन महाराज, बाबा भोलेनाथ, के भजनों को सुनाकर लोगो को मंत्रमुग्ध कर दिया। मनमोहक सजीव झाँकियों की प्रस्तुति दी गयी जिसमें भक्तों की भारी भीड़ उपस्थिति रही, भक्तिमय भजनों एवं श्री राम, बाला जी एवं भगवान विष्णु जी की सजीव झाँकियों नें दरबार में आये हुए सभी भक्तगणों को मंत्रमुग्ध कर दिया । साथ ही लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ पत्रकार बंधुओं का गणेश महोत्सव सेवा समिति बिसवा व तत्सय संस्थान सीतापुर की ओर से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

चाय की दूकान से 15 हजार का सामान उड़ाया

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के बेहटा चौराहा में एक चाय की दुकान से अज्ञात चोरों ने 15 हजार कीमत का सामान पार कर दिया। धन्नीपुर गांव निवासी भास्कर सिंह ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि बेहटा चौराहा के सरेनी रोड पर उसकी चाय की दुकान है। रोज की तरह शाम को वह दुकान बंद करके घर चला गया। सुबह जब उसने दुकान खोली तो दुकान के भीतर रखे दो गैस सिलेंडर, पीतल के बर्तन, परात, भगोना, गिलास, नमकीन, बिस्कुट गुटखा काफी बनाने का सामान व पांच सौ की रेजगारी चोरी कर ले गए। पीड़ित ने बताया कि उसका करीब 15 हजार का नुकसान हुआ। इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है।

दरवाजे खड़े ई-रिक्शा से बैटरी चोरी

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के दयालपुर गांव में अज्ञात चोरों ने दरवाजे खड़े एक ई-रिक्शा की चार बैटरी खोल कर ले गए। पीड़ित ने पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया है। गांव निवासी कमलेश ने बताया कि रोज की तरह उसका ई-रिक्शा दरवाजे खड़ा था। रात में बारिश के दौरान वह बरामदे से उठकर घर के भीतर सोने चला गया। इसी बीच अज्ञात चोर उसके ई-रिक्शा की चारों बैटरी खोल ले गए। पीड़ित ने बताया कि उसका करीब 40 हजार का नुकसान हुआ है। इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामला का संज्ञान में नहीं है। जानकारी मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

विसुन दासपुर में जन चौपाल- महिला सम्मान और लैंगिक समानता पर सार्थक विमर्श

स्वतंत्र प्रभात

सिधौली (सीतापुर)। विकासखंड सिधौली के ग्राम विसुन दासपुर में मिलान फाउंडेशन के तत्वावधान में उन्मुक्त कार्यक्रम के अंतर्गत जन चौपाल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर साहित्य, समाज और शिक्षा से जुड़े सार्थक मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, प्रख्यात कवि डॉ. देवेंद्र कश्यप 'निडर' ने नारियों के सम्मान और वर्चस्व को ऐतिहासिक घटनाओं से जोड़ते हुए उनकी असीम शक्ति और योगदान को उजागर किया। उन्होंने कहा कि समाज की समृद्धि और प्रगति में महिलाओं की भूमिका हमेशा निर्णायक रही है, इसलिए महिला सशक्तिकरण को केंद्र में रखना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, राष्ट्रीय स्ववित्त पोषित शिक्षक प्रशिक्षक संघ के राष्ट्रीय सचिव एवं अंतरराष्ट्रीय अवधी पत्रिका भाखा के उप संपादक चंद्रशेखर प्रजापति ने अपने वक्तव्य में समाज में पीढ़ी-दर-पीढ़ी चल रही रूढ़िबद्ध धारणाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहानी के माध्यम से समझाया कि ये धारणाएँ किस प्रकार गहराई से जकड़ी हुई हैं और इन्हें तोड़ने के लिए हमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तार्किक सोच को अपनाना होगा। उन्होंने उन्मुक्त कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयास लैंगिक समानता और सामाजिक जागरूकता की दिशा में अहम भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम में फेसिलिटेटर लवकुश कुमार, श्वेता, संजीव कुमार, सविता वर्मा सहित कई स्थानीय नागरिकों और युवाओं की सक्रिय भागीदारी रही। जन चौपाल का यह आयोजन ग्रामीण समाज में समता, जागरूकता और महिला सशक्तिकरण की नई चेतना जगाने में मील का पत्थर साबित हुआ।

माँ पीताम्बरा प्रापर्टी कार्यालय का हुआ भव्य उदघाटन

लखनऊ। बन्थरा क्षेत्र के बनी मोहान स्थित नारायणपुर बाजार में सोमवार को माँ पीताम्बरा प्रापर्टी कार्यालय का भव्य उदघाटन किया गया है। कार्यालय का उद्घाटन हवन पूजन के साथ किया गया है इस अवसर पर पूर्व राजपत्रित अधिकारी कप्तान सिंह ने फीता काटकर उदघाटन किया। वहीं माँ पीताम्बरा प्रापर्टी के प्रबन्धक पिन्टू सिंह ने उदघाटन समारोह में आये सभी अथितियो को अंग वस्त्र व माला पहनाकर सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में पूर्व प्रधान हरौनी डब्बू सिंह, भाजपा नेता नीरज सिंह चौहान, उमेश सिंह, धर्मेन्द्र शुक्ला, रामू मिश्रा, रक्षपाल सिंह, भाजपा नेता प्रदीप त्रिवेदी सोनू, मंन्टूल सिंह, सचिन त्रिवेदी, पत्रकार राहुल तिवारी, रूचि मेडिकल स्टोर के मालिक विश्वनाथ सिंह राकेश रावत सहित सैकड़ों गणमान्य व क्षेत्र के के लोग मौजूद रहे।

पीएम मोदी के ग्रीन एनर्जी सपने को साकार कर रहा उत्तर प्रदेश- बृजेश पाठक

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ उपमुख्यमंत्री ने इको प्लग एनर्जी इंडिया लिमिटेड के ईवी चार्जिंग स्टेशन तथा अधिकृत सीएनएफ ई-पृथ्वी ग्रीन का किया शुभारंभ उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मंगलवार को राजधानी के सुल्तानपुर रोड स्थित एक रिजॉर्ट में देश की अग्रणी ईवीसीएस मैन्युफैक्चरिंग एवं सर्विस कंपनी इको प्लग एनर्जी इंडिया लिमिटेड के अत्याधुनिक ईवीसीएस स्टेशन और एसी चार्जर्स के सभी मॉडल के साथ ही उत्तर प्रदेश में कंपनी के अधिकृत सीनएफ ई-पृथ्वी ग्रीन प्राइवेट लिमिटेड का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री के ग्रीन एनर्जी सपने को साकार करने में उत्तर प्रदेश अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इसी कड़ी में इको प्लग एनर्जी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थापित नवीनतम ईवी चार्जिंग तकनीक के माध्यम से अब टू व्हीलर से लेकर मल्टी व्हीलर तक सभी वाहनों को तेज और सुरक्षित चार्जिंग के सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह भी कहा कि ईवी चार्जिंग इंडस्ट्रीज को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है, इसलिए आम नागरिकों को भी चाहिए कि वह ईवी को अपनाकर इस परिवर्तन का हिस्सा बनें।

इस मौके पर ई-पृथ्वी ग्रीन प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर प्रेम सागर त्रिपाठी ने इको प्लग एनर्जी के अत्याधुनिक उत्पादों का प्रदर्शन कर विस्तृत जानकारी दी और ईवीसीएस समाधानों की विशेषताओं को विस्तार से प्रस्तुत किया। वहीं कार्यक्रम में इकोप्लग एनर्जी इंडिया लिमिटेड के निदेशकगण जिनमें राजपाल यादव, जानकीदास वैष्णव, इन्दर मोहन सचदेवा और पुनीत तलवार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। साथ ही कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के सभी डीलर्स तथा ईवी यूजर्स ने भी बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

उत्तम सत्य धर्म से ही होता है, मनुष्य जन्म शोभित

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। जैन धर्मावलंबियों के प्रमुख पर्व पर्युषण के पांचवें दिन सोमवार को जैन मंदिरों में 'उत्तम सत्य धर्म' की पूजा-अर्चना की गयी। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया और धार्मिक अनुष्ठानों में सम्मिलित होकर आत्मशुद्धि का संकल्प लिया। आपको बता दें कि,आशियाना स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर में श्री दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश जैन के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित हुआ।जिसमें प्रवचन माला के दौरान पंडित उमेश जैन शास्त्री ने उत्तम सत्य धर्म के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सत्य का वास्तविक अर्थ केवल सच बोलना नहीं, बल्कि अप्रिय, कठोर, निंदापूर्ण और कटु वचनों से बचना भी है। उन्होंने कहा उत्तम सत्य धर्म वह मार्ग है जो व्यक्ति को सत्य, न्याय और नैतिकता की दिशा में अग्रसर करता है। यह न केवल बाहरी आचरण की शुद्धता पर बल देता है, बल्कि अंतःकरण की पवित्रता को भी अनिवार्य मानता है। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में जब समाज में छल, कपट और स्वार्थ बढ़ रहे हैं, ऐसे में उत्तम सत्य धर्म का पालन ही मनुष्य को सच्चे अर्थों में धर्मनिष्ठ और मानवतावादी बना सकता है। सत्य को जीवन में आत्मसात करना ही उत्तम आचरण का प्रतीक है, जो अंततः समाज में शांति, समरसता और विश्वास की स्थापना करता है। इस मौके पर समिति के मंत्री अजय जैन, उपाध्यक्ष अखिलेश जैन, कोषाध्यक्ष शरद जैन, संयुक्त मंत्री अंकित जैन, संजीव जैन, बृजेश जैन (बंटी),आशीष जैन के साथ ही महिला मंडल की उपाध्यक्ष डॉ0 सविता जैन, स्वीटी जैन, सोनी जैन, अनीता जैन, राखी जैन, रिमझिम जैन, मीनू जैन, सरिता जैन, संगीता जैन आदि बड़ी संख्या में साधर्मी बंधु उपस्थित रहे।

प्रधान संघ अध्यक्ष देवेंद्र कुमार सिंह का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज ब्लॉक मुख्यालय स्थित अटल बिहारी वाजपेई सभागार में मंगलवार को प्रधान संघ अध्यक्ष देवेंद्र कुमार सिंह का जन्मदिन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी आशुतोष श्रीवास्तव एवं एडीओ अशोक यादव मौजूद रहे।कार्यक्रम में क्षेत्र के कई प्रधान शामिल हुए, जिनमें मस्तीपुर के सूर्यकुमार द्विवेदी, निगोहां के अभय दीक्षित, गढ़ी मेहदौली के बिपिन रावत, हसनपुर कनेरी के बृजेश वर्मा, समेसी के अशोक रावत, गोविंदपुर के हरिराम यादव, हुलासखेड़ा से प्रधान प्रतिनिधि अभिषेक दिक्षित, परसपुर ठठ्ठा के मातादीन गौतम, डाढ़ा सिकंदरपुर के रामकुमार, दहियार के लक्ष्मण प्रसाद, उत्तर गांव के ज्ञान प्रकाश यादव व धनुसाड के प्रद्युम्न यादव प्रमुख रहे।सभी प्रधानों ने मिलकर केक काटकर संघ अध्यक्ष को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके दीर्घायु की कामना की।

लोहिया वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राम करन निर्मल का सपा कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

●एडवोकेट राहुल निर्मल बाग़ी की अगुवाई में लोहिया वाहिनी प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार स्वागत

स्वतंत्र प्रभात

रायबरेली- मंगलवार को रतापुर चौराहे पर समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष शोषित,वंचित,पीड़ित के मसीहा डॉ राम करन निर्मल का सपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। प्रदेश सचिव लोहिया वाहिनी एडवोकेट राहुल निर्मल बागी की अगवाई में सैकड़ों सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे ऋषभ सेन,फहीम सिद्दीकी, गोलू, सचिन, विकास श्रीवास्तव, छोटू,अभिषेक, कैफ, मिट्ठू यादव, सुभाष, अभिषेक चौधरी, आनंद आदि ने अपने क्रांतिकारी प्रदेश अध्यक्ष श्री निर्मल का फूल मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया। श्री निर्मल लखनऊ से जनपद फतेहपुर के ग्राम धाता में घटित घटना के संदर्भ में पीड़ित परिजनों से मिलने सड़क मार्ग से जा रहे थे।

रतापुर चौराहे पर जैसे ही उनका काफिला रायबरेली के रतापुर चौराहे पर रुका तो सपा लोहिया वाहिनी के सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने अपने क्रांतिकारी प्रदेश अध्यक्ष श्री निर्मल से भेंट कर उनका जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया और अपने नेता के हर संघर्ष में कंधे से कंधा मिलाकर साथ चलने को कहा और सपा प्रमुख अखिलेश यादव सहित प्रदेश अध्यक्ष डॉ राम करन निर्मल के नारों के पूरा चौराहा गूंज उठा तत्पश्चात श्री निर्मल के काफिले में रायबरेली जनपद से कई गाड़ियां शामिल होते हुए जनपद फतेहपुर की ओर कूच कर गई।

महसोनिया गांव में बाघ की दस्तक, ग्रामीणों में भय का माहौल

स्वतंत्र प्रभात

मिश्रिख (सीतापुर) वन रेंज क्षेत्र मिश्रित की ग्राम पंचायतों में वर्तमान समय जंगल के राजा की दस्तक चल रही है । ग्रामीण दिन रात दहशत में जी रहे है । बीते दिवस ग्राम गजोधरपुर निवासी संतोष यादव गांव के बाहर जंगल में अपने पसु चराने गए थे । चरते चरते पसु अचानक भाग पड़े । तो उसने जंगल के राजा शेर को जानवरों की ओर आते हुए देखा । जिससे वह दौड़ कर गांव आया । और ग्रामीणों को आवाज दी । ग्रामीण जब मौके पर पहुंचे तो वह कहीं छिप गया था । परन्तु उसके पद चिन्ह वहां पर मौजूद थे । जिन्हे ग्रामीणों ने अपने मोबाइल में कैद कर लिया है । जिससे सभी ग्रामीण दहसत में जी रहे है । बीते 1 सितम्बर को पड़ोसी गांव महसुनिया में किसान रामकिशोर शुक्ला खेत में घास काटने गई थे । परन्तु वहां पर बाघ आ गया । जिसके पास दो शावक भी थे । वह भाग कर गांव आए ।ग्रामीणों और वन विभाग के अधिकारियों को फोन से सूचना दी ।

मौके पर पहुंचे वन विभाग के कर्मचारियों और ग्रामीणों ने गन्ने के खेत आदि में कांबिंग की परन्तु बाघ नही मिल सका । वन विभाग के कर्मचारियों ने सभी ग्रामीणो को सतर्क रहने के लिए निर्देश दिए है । आपको बता दें कि दिनांक 24 अगस्त को ग्राम पंचायत चंद्रावल निवासी विनय मिश्रा पुत्र प्यारेलाल मिश्रा की एक गाय घर के बाहर बंधी थी । रात में किसी जंगली जानवर ने उसकी गर्दन निवाला बना डाला था । दिनांक 22 को ग्राम पंचायत इस्लामनगर के मजरा असरफनगर निवासी गोपाली राठौर और मढिया निवासी सिरदार की बकरियां घर के अंदर बंधी थी । रात के अंधेरे में किसी जंगली जानवर ने हमला कर निवाला बना डाला था । फिर भी वन विभाग के सम्बंधित अधिकारी गहरी नींद में सो रहे है । और यहां की आम जनता दहसत के साए मे जी रही है ।

जमीनी विवाद मे मारपीट,जान से मारने की मिली धमकी

● .....पीड़ित ने एसीपी से लगाई गुहार।

नगराम। लखनऊ, नगराम थाना क्षेत्र के करोरा गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में विवाद मारपीट का मामले ने तूल पकड़ लिया दोनों पक्षों की तरफ से मुकदमा दर्ज किया गया। पीड़ित ने मामले की शिकायत एसीपी रजनीश वर्मा से मिलकर न्याय की गुहार लगाई है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नगराम थाना क्षेत्र के करोरा निवासी हरिराम गौतम पुत्र स्वर्गीय भोगई बीते 27 अगस्त की सुबह करीब 6 बजे टहलने के लिए करोरा से नगराम रोड की ओर निकले थे। जब वह नहर के पुल के पास पहुंचे तो वहीं गांव के ही विपक्षी भुइयादीन पुत्र नन्हा भी साइकिल से पहुंच गया। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि पुरानी रंजिश व जमीनी विवाद के चलते भुइयादीन ने हरिराम गौतम को घेर लिया और गाली-गलौज करते हुए धक्का- मुक्की शुरू कर दी।पीड़ित का कहना है कि भुइयादीन ने उसे बुरी तरह मारा-पीटा और धमकी भी दी कि यदि उसने अपनी जमीन पर से आपत्ति नहीं हटाई तो किसी दिन जान से मार देगा। इस विवाद का मुकदमा पहले से ही तहसीलदार मोहनलालगंज न्यायालय में विचाराधीन है।हरिराम गौतम ने बताया कि जमीन को लेकर भुइयादीन उनसे लगातार रंजिश रखता है।

और आए दिन झगड़े की स्थिति पैदा करता है। इस बार गाली-गलौज और मारपीट के साथ जान से मारने की धमकी दिए जाने से वह व उनका परिवार बेहद भयभीत है।पीड़ित ने एसीपी रजनीश वर्मा को शिकायती पत्र देकर आरोपित के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। वही एसीपी ने नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि पीड़ित द्वारा दी गई तहरीर पर जांच कर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई करिए वही नगराम थाना प्रभारी ने जांच कर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्यवाही जारी है।

बारिश में मकान गिरने से परेशान परिवार, जाँच को पहुंचे अधिकारी

स्वतंत्र प्रभात

महराजगंज, रायबरेली। विकास खंड महराजगंज के अंतर्गत टूक गांव में सोमवार रात हुई बारिश के कारण मुनव्वर अली का कच्चा मकान धराशायी हो गया। इस हादसे से परिवार को भारी नुकसान उठाना पड़ा है और वे अस्थायी स्थिति में रहने को मजबूर हैं। सूचना मिलने पर मंगलवार को खंड विकास अधिकारी वर्षा सिंह सहित प्रशासनिक टीम गांव पहुंची और मौके का जायजा कर। पीड़ित परिवार को हर संभव सरकारी मदद का भरोसा व नुकसान का आकलन कर आर्थिक व आवास की सुविधा मुहैया कराने का आश्वासन दिया। खण्ड विकास अधिकारी वर्षा सिंह ने बताया कि तहसीलदार से वार्ता की गई है पीड़ित परिवार को शासन द्वारा आपदा राहत कोष से मिलने वाली सहायता राशि यथाशीघ्र दिलाने की कार्यवाही शुरू करते हुए। गांव के दो पीड़ित परिवारों को भरण पोषण के लिए गौशाला से दो-दो गायें भी दी जाएंगी। इसके अलावा कोटेदार से पीड़ित परिवार को अतिरिक्त रासन भी दिए जाने के लिए निर्देशित किया गया है। इस अवसर पर ग्राम प्रधान सुनील मौर्य, व कई स्थानीय ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

रहीम नगर पड़ियाना में राधा कृष्ण भव्य मेला आज

● बन्थरा क्षेत्र के इस भव्य मेले में पहुंचेंगे दूर दराज से सैकड़ों लोग व जनप्रतिनिधि

स्वतंत्र प्रभात

बन्थरा लखनऊ। राजधानी के बन्थरा क्षेत्र के रहीम नगर पड़ियाना में विगत वर्षों की भांति इस बार भी राधा देवी सेवा संस्थान की ओर से बुधवार को भव्य मेले का आयोजन किया जा रहा है यह जानकारी मेला प्रबन्धक कमल किशोर शुक्ला ने दी 7 बता दे कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के शुभ व पावन अवसर पर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के थानों व गांव के मंदिरों में सजाई गयी, झांकियों का समापन श्रीकृष्ण की जनमाष्टमी के बाद होने वाली षष्ठी पर्व बीत जाने पर मंदिरों से झांकियाँ निकालकर मेलों का वृहदस्तर पर आयोजन श्रद्दालुगण करते हैं।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पश्चात पुरानी परम्पराओं को जीवित रखते हुए राधा देवी सेवा संस्थान द्वारा रहीमनगर पड़ियाना, बन्थरा में भी विशाल रूप से भव्यतम श्रीराधाकृष्ण मेले का आयोजन कमल किशोर शुक्ला मेला प्रबन्धक के सौजन्य से बुधवार को कराया जा रहा है। मेले में ग्रामीण क्षेत्र के दूरदराज से परिवार सहित आकर पुरुष,महिलाओं के साथ ही बच्चे भी आनन्द और मनोरंजन करके प्रसन्नचित होते हैं।

कमल किशोर शुक्ला ने सरोजनीनगर क्षेत्र के सभी श्रीकृष्ण भक्तों एवं श्रद्धालुओं से परिवार सहित भक्ति भावपूर्ण दर्शन करके, मेले की शोभा बढ़ाने हेतु पहुँचने का आह्वान किया । मेले में दिन को जीवनोपयोगी सामानों की खरीददारी करने के साथ ही रात्रि में मनोरंजन हेतु, रास लीला व नौटंकी का भी आयोजन किया गया है। मेला प्रबन्धक के अनुसार प्रत्येक मंगलवार को पशु बाजार भी मेला स्थल रहीमनगर पड़ियाना में लगाया जाती है, जिसमें मुख्यरूप से दुधारू पशुओं की बिक्री भी होती है। मेले में सुरक्षा हेतु पुख्ता इन्तजाम किये गये हैं।

गणेश चतुर्थी महोत्सव का हुआ भव्य आयोजन

मोहनलालगंज। कृष्णा एजुकेशनल फाउंडेशन ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर एक भव्य गणेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम कृष्णा कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट और कृष्णा नर्सिंग एंड पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना और श्री गणेश भगवान की प्रतिमा स्थापना के साथ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में संस्थान निदेशक डॉ. अनुराग चतुर्वेदी और डॉ. तेजल जे चतुर्वेदी उपस्थित रहीं। दोनों विशिष्ट अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और सभी को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। डॉ. अनुराग चतुर्वेदी ने कहा कि "गणेश जी बुद्धि, ज्ञान और समृद्धि के देवता हैं।" डॉ. तेजल ने कहा कि "गणपति बप्पा हमारे जीवन में आनंद, उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।" कार्यक्रम में छात्रों ने भक्ति गीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से माहौल को मनोरम बना दिया। अंत में महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। संस्थान परिवार ने सभी को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और नई सफलताएँ प्राप्त करने हेतु प्रयासरत रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम मे संस्थान के नीरज श्रीवास्तव, आयुश शुक्ला समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

तेजगांव की छात्रा चित्रा साहू को लखनऊ विश्वविद्यालय से आठ स्वर्ण पदक

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के तेजगांव स्थित कमला नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्रा चित्रा साहू ने इतिहास रच दिया है। भूगोल विषय की अंतिम वर्ष की इस छात्रा ने लखनऊ विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर परीक्षाओं में 91.58 प्रतिशत अंक पाकर पूरे विश्वविद्यालय में सर्वोच्च स्थान हासिल किया है। उनकी इस अभूतपूर्व सफलता पर उन्हें आठ स्वर्ण पदकों से नवाजा जाएगा। चित्रा को यह सम्मान लखनऊ विश्वविद्यालय के 68वें दीक्षांत समारोह में 10 सितंबर 2025 को प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व कुलपति स्वयं छात्रा को स्वर्ण पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान करेंगी। कमला नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्राओं ने पहले भी सफलता का परचम लहराया है। वर्ष 2024 में एमए भूगोल की छात्रा शिवानी सिंह को दो स्वर्ण पदक तथा वर्ष 2023 में एम.ए. संस्कृत की छात्रा मधु त्रिवेदी को चार स्वर्ण पदक मिल चुके हैं। महाविद्यालय के प्रबंधक व पूर्व विधायक सुरेंद्र बहादुर सिंह ने चित्रा की उपलब्धि पर गर्व जताते हुए उन्हें बधाई दी और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छात्रा को महाविद्यालय स्तर पर भी सम्मानित करने की भी घोषणा की।

संक्षिप्त खबरें

एडीजी आलोक सिंह ने इंटेलिजेंस ब्यूरो वीडियो कांफ्रेंसिंग में दिये महत्वपूर्ण सुझाव

कानपुर। पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से एन0 आई0 ए0, एन0 एस0 जी0, इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारियों के साथ सम्पूर्ण प्रदेश, की सुरक्षा-व्यवस्था, अवांछनीय गतिविधियों व अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं के सम्बन्ध में समीक्षा गोष्ठी कर दिशा-निर्देश दिये गये। गोष्ठी में आलोक सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर द्वारा प्रदेश की सुरक्षा-व्यवस्था के परिदृश्य से महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए गये।

मुख्यमंत्री आज कानपुर में आई आई टी के समारोह में शामिल होंगे

कानपुर। दिनांक 03.09.2025 को आई.आई.टी. कानपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस आयुक्त अखिल कुमार द्वारा कार्यक्रम स्थल, हैलीपैड, रूट व्यवस्था आदि का भ्रमण कर संपूर्ण व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि कार्यक्रम स्थल पर किसी प्रकार की कोई त्रुटि न हो तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस अवसर पर आईआईटी कानपुर नगर के निदेशक प्रो. मनिन्द्र अग्रवाल, जिलाधिकारी कानपुर नगर जितेंद्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी कानपुर नगर दीक्षा जैन, अपर पुलिस उपायुक्त पश्चिम कपिल देव सिंह, अपर पुलिस उपायुक्त, अभिसूचना महेश कुमार एवं सहायक पुलिस आयुक्त कल्याणपुर रणजीत सिंह भी मौजूद रहे।

किशोर की तालाब में डूबने से मौत

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सरौली के टोला लोहरपुरवा में गांव के पास ही एक तालाब में डूबने से किशोर की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। प्रभारी निरीक्षक हरे कृष्ण उपाध्याय ने बताया की गांव के लाल जी विश्वकर्मा का 16 वर्षीय पुत्र शुभम गांव के पास तालाब के किनारे स्थित अमरूद के पेड़ पर अमरूद तोड़ने गया था। इसी दौरान फिसलकर तालाब में चला गया । आसपास के लोग परिजन को इसकी सूचना दी । मौके पर पुलिस भी पहुंचकर ढूढकर शव निकला। आवश्यक कार्यवाही करने के उपरांत शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

सहकारिता से मिलने वाले लाभ को किसानों तक पहुंचाया जाय-डीएम

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में कम्पोजिट डी0सी0डी0सी0 की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने ए0आर0 कोआपरेटिव देवेन्द्र बर्मन को निर्देशित किया कि सहकारिता विभाग के अन्तर्गत भारत सरकार एवं राज्य सरकार की योजनाओं का आम जनमानस के मध्य व्यापक प्रचार प्रसार किया जाय तथा सहकारिता से मिलने वाले लाभ को किसानों तक पहुंचाया जाय। बैठक में सहकारिता, मत्स्य और डेयरी विभाग की नई समितियों के गठन, ए0आई0एफ0, पैक्स कम्प्यूटराईजेशन, एन0सी0डी0 पोर्टल पर सूचनायें अपडेट करने, समितियों के नाम भू-राजस्व अभिलेख में दर्ज कराने, अन्न भण्डारण योजनान्तर्गत समितियों/संस्थाओं के चयन एवं मण्डी हब की दुकानों/चबूतरों के नीलामी आदि विषयों पर विस्तृत समीक्षा की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि अगले 15 दिवस के अन्दर समीक्षा के प्रत्येक बिन्दु में अपेक्षित प्रगति लाना सुनिश्चित करें तथा प्रगति रिपोर्ट से अवगत करायें। समीक्षा बैठक का संयोजन एआर कोआपरेटिव देवेन्द्र बर्मन द्वारा किया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव, जिला कृषि अधिकारी अशोक कुमार, एलडीएम गोपाल शेखर झा सहित डीडीएम नाबार्ड, डेयरी एवं मत्स्य विभाग के अधिकारी तथा सहकारिता विभाग के सभी एडीओ एवं एडीसीओ उपस्थित रहे।

गठिया के खिलाफ सत्या की कार्यशाला में विशेषज्ञ अग्रवाल की पुस्तक गठिया पर विजय का हुआ विमोचन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। गठिया आज विश्व की तेज बढ़ती हुई बीमारी है। विश्व में इनकी संख्या लगभग 60 फीसदी है ,जिनके इलाज आदि में पूरे विश्व की 1.5% इकॉनमी इसमें खर्च हो जाती है। इनमें से 30 प्रतिशत यानी लगभग 18 करोड़ गठिया रोगी अपने भारत में हैं। जोकि देश के लिए भी बड़ा भार भी हैं। वे देश की जीडीपी में अपना समुचित योगदान भी नहीं दे पा रहे हैं। इसी लिए देश के नीति निर्धारकों को इस ज्वलंत मुद्दे पर शीघ्रता से पॉलिसी बनाने की भी आवश्यकता है। जहां तक इस संबंध में आधुनिक चिकित्सा विज्ञान का सवाल है। हाल फ़िलहाल उसने गठिया के रोग को 90 फीसदी से ज्यादा खत्म करने का विकल्प निकाल लिया है।

यह बात यहां सामाजिक चेतना के इरादे से जानी मानी स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मनीषा अग्रवाल की अगुवाई में गठिया विषय पर आयोजित एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए 20 हजार से ज्यादा सर्जरी करके एक बड़ा कीर्तिमान स्थापित करने वाले बर्रा 6 स्थित सत्य हॉस्पिटल के डायरेक्टर और जाने माने प्रत्यारोपण व घुटने के विशेषज्ञ डॉ ए के अग्रवाल ने कही। गठिया, नी रिप्लेशमेंट, हिप रिप्लेशमेंट, आर्थोस्कोपिक सर्जरी जैसे जटिल ऑपरेशन कर मरीजों को शत प्रतिशत लाभ पहुंचाने वाले डॉक्टर ए के अग्रवाल की टीम सत्य हॉस्पिटल में अब एक ऐसी आधुनिक तकनीक से घुटना प्रत्यारोपण कर रहे हैं ,जिससे गठिया रोगी ऑपरेशन के तुरंत बाद खड़ा होकर चलने भी लग जाता है। बूढे व वृद्ध लोगों के गठिया जैसी बीमारी का सफल घुटना प्रत्यारोपण या अन्य ऑपरेशन से उन्हें न केवल अपनी सामान्य जिदंगी प्रदान करने बल्कि उन्हें 30 साल का नौजवान भी महसूस कराने वाले विश्व प्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉक्टर एके अग्रवाल की वजह से ही चलने फिरने में बिल्कुल असमर्थ किदवई नगर निवासी एक 72 वर्षीय महिला ,गोविंद नगर निवासी मिसज़ सप्रा भी घुटनों की पीड़ा से मुक्त होकर अब खुशहाल जीवन यापन कर रही हैं। इस कार्यक्रम को आए हुए अन्य विशेषज्ञों ने भी संबोधित किया। साथ ही कानपुर समेत पूरे उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से सफल ऑपरेशन का लाभ उठा चुके मरीजों, निकट भविष्य में गठिया जैसी बीमारी से निजात पाने के लिए ऑपरेशन की तैयारी कर रहे लोगों के बीच खेल कूद व मनोरंजक कार्यक्रमों को भी आयोजित कर उनमें गठिया के खिलाफ सफलता का उत्साह भी भरा गया। इसमें संवाद के जरिए घुटना प्रत्यारोपण के भय भी निजात दिलाई गई। हर दृष्टिकोण से गठिया के खिलाफ बहुत सफल इस आयोजन में डॉक्टर ए के अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तक गठिया पर विजय का विमोचन और उसका वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में सम्मिलित लोगों ने न केवल विभिन्न खेलों का आनन्द उठाया बल्कि गठिया रोग से दुख से आनन्द में बदलने की अपनी कहानियों को भी साझा किया। खेलकूद व अन्य प्रतिभागी प्रतियोगिताओं में शामिल लोगों को डॉ ए के अग्रवाल व डॉ मनीषा अग्रवाल द्वारा पुरुस्कार देकर सम्मानित भी किया गया। सत्या हॉस्पिटल के डॉयरेक्टर डॉ ए के अग्रवाल व डॉ मनीषा अग्रवाल की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में अनुज अग्रवाल, डॉ के के पटेरिया, आदेश तिवारी, एड्वोकेट विप्लव अवस्थी अमन शर्मा, अमिता पॉल, विनोद यादव, कोमल यादव, मोहित विश्वकर्मा आदि ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव सत्येंद्र ने दिया।

ध्रुव कुमार त्रिपाठी प्रश्न एव संदर्भ समिति के सभापति नामित

सिद्धार्थनगर। जिले के उसका बाजार कस्बा के मथुरा प्रसाद नगर वार्ड के निवासी शिक्षक विधायक , नेता शिक्षक दल विधान परिषद ,ध्रुव कुमार त्रिपाठी को प्रश्न एव संदर्भ समिति के सभापति नामित किया गया है। यह जानकारी विधान परिषद सचिवालय से प्रमुख सचिव डॉ राजेश सिंह ने विज्ञप्ति जारी करके दी है। इनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र के प्रधानाचार्य संजय कुमार गुप्ता, देवेंद्र श्रीवास्तव, समाजसेवी विरेंद्र पाण्डेय, धर्मेंद्र पाण्डेय, राम उजागिर पाण्डेय, हरिशंकर सिंह, रूपेश सिंह, डा सतेंद्र मिश्र, अंब्रिश मिश्र, के सी पाठक,अशोक यादव, राघवेंद्र सिंह, राम दरस यादव, राम पूजन वर्मा, सर्वेश उपाध्याय, राजेश यादव, अनिल चौबे आदि ने खुशी व्यक्त की है।

बुढ़वा मंगल पर पनकी मंदिर में अभेद रही सुरक्षा व्यवस्था, डीसीपी पश्चिम ने किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। आज दिनांक 2 सितंबर 2025 को पुलिस उपायुक्त पश्चिम दिनेश त्रिपाठी ने थाना पनकी क्षेत्र के पनकी मंदिर में बुढ़वा मंगल के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। ज्ञातव्य है कि बुढ़वा मंगल के दिन पंचमुखी हनुमान मंदिर पनकी धाम में श्रद्धालुओं के अत्यधिक भीड़ रहती है। आस पास के कई जनपदों से श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं। इसके लिए आज पनकी मंदिर के आसपास रुट भी डायवर्ट किया गया था। पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी रही। सुरक्षा व्यवस्था व्यवस्था की बात करें तो पुलिस उपायुक्त पश्चिम दिनेश त्रिपाठी ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर सीसीटीवी निगरानी से निगरानी की गई। बुढ़वा मंगल के दौरान पनकी मंदिर में लाखों भक्त दर्शन करने पहुंचते हैं, इसलिए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सावधानी बरती जा रही है। पनकी पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं, मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन से निगरानी की जा रही है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था और भी मजबूत हो सके 7 इस मौके पर अपर पुलिस उपायुक्त पश्चिम, सहायक पुलिस आयुक्त बिल्हौर भी उपस्थित रहे।

नकली दवाइयों से मरीजों की कमर टूट रही

●कैंसर की दवाओं पर मूल्य नियंत्रण नहीं मरीजों के परिवारों पर बढ़ रहा बोझ - हाजी फजल महमूद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर पीडीए थिंक नीति निर्धारण समिति की बैठक शाम महानगर में नकली दादाओं की बिक्री से हो रहे मरीजों के नुकसान को लेकर मंथन सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद की अध्यक्षता में नवीन मार्केट में आरंभ हुई। बैठक को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन रक्षक दवाएं जो नकली बिक रही हैं जिस पर शासन ने हल्के से ध्यान लिया लेकिन बढ़ती भयावाह स्थिति की अनदेखी की जिसके कारण मरीजों के परिवारों पर भार बढ़ रहा है और नकली दवा के कारण मर्ज ठीक न होने के कारण मरीज व परिवार परेशान घूम रहे हैं। महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने अपने संबोधन में आगे कहा कि कानपुर महानगर के अलावा आसपास के जिलों के कस्बों के मरीज शहर में दवा लेते है वह बेअसर हो रही है इस पर मंथन ना किया गया तो बीमारियों में इजाफा बढ़ जाएगा।

महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने अपने संबोधन में आगे कहा कि राज्यसभा की एक समिति ने कैंसर की दादाओं के बढ़ते हुए मूल्यों पर चिंता व्यक्त की थी लेकिन आज तक कैंसर की दादाओं के मूल्यों पर नियंत्रण नहीं किया गया है जिसके कारण कैंसर के रोगियों को महंगा इलाज पर पैसा चुकाना पड़ता है और मरीजों के ऊपर बेवजह बोझ बढ़ जाता है जिससे धन के अभाव में आखिरी छोर तक जाना पड़ता है। बैठक मे प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद,प्रदेश सचिव के के शुक्ला,वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू,महासचिव संजय सिंह बंटी,फखरे आलम,शबाब अबरार,रजत मिश्रा,शादाब आलम,इशरत इराकी,मो अकबर आदि लोग मौजूद रहे।

महिलाओं के लिए कार्यस्थल सुरक्षित बनाना हर नियोजक की जिम्मेदारी - नसीम अंसारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। तरुण चेतना द्वारा "पॉश जागरूकता अभियान" के अंतर्गत महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम अधिनियम 'पॉश एक्ट 2013' पर जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं, जिसके क्रम में गत दिवस राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पट्टी व जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिरौती सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों में प्रशिक्षण कार्यशालायें आयोजित की गयीं। इस अवसर पर तरुण चेतना के निदेशक नसीम अंसारी ने महिलाओं व बेटियां का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि भारत मे महिलाओं के लिए कार्यस्थल को सुरक्षित बनाने के लिए 2013 में बनाया गया एक कानून है, जिसका मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाले यौन उत्पीड़न को रोकना और पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाना हैं। पॉश कानून में इसकी जिम्मेदारी नियोक्ता को दी गयी है।श्री अंसारी ने बताया कि प्रत्येक 10 या अधिक कर्मचारियों वाले संगठन में एक आंतरिक शिकायत समिति का गठन करना आवश्यक है, जो यौन उत्पीड़न की शिकायतों की जांच करेगी। इसी तरह प्रत्येक जिले में जिला अधिकारी द्वारा एक स्थानीय शिकायत समिति का गठन किया गया है, जो असंगठित क्षेत्र की। कामकाजी महिलाओं के लिए है इन दोनों समितियों में पीडिता 90 दिन के भीतर भीतर अपनी शिकायत दर्ज करा सकती है।इसी क्रम में संस्था के उप निदेशक श्याम शंकर शुक्ला ने कहा कि इस कानूनका उल्लंघन करने पर रू0 50 हजार जुर्माने का भी प्रावधान है। श्री शुक्ल ने छात्र-छात्राओं को 04 बाल अधिकार के साथ साथ गुड टच - बैड टच की भी जानकारी दी। कार्यशाला में राजकीय बालिका विद्यालय की प्रधानाचार्या कंचन मिश्रा, अर्पणा देवी व अर्चना भारद्वाज सहित जनता माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य शिवकेश ओझा व प्रबंधक सुनील कुमार मिश्र व रंजना मिश्रा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर सह-निदेशक हकीम अंसारी, हुस्नारा बेगम, शहीद अहमद आदि लोग की सक्रिय भागीदारी रही।

शारीरिक अक्षमता किसी के विकास में बाधक नहीं - रोशन लाल उमर वैश्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। समाजसेवी रोशन लाल उमरवैश्य ने कहा कि यदि मन में कुछ कर गुजरने का जज्बा हो तो शारीरिक अक्षमता कभी भी विकास के मार्ग में बाधा नहीं बन सकती। प्रयास राजकीय अक्षम विद्यालय बढ़नी मोहनगंज में ÷दिव्यांगों के समक्ष चुनौतियां÷ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एलायंस क्लब इंटरनेशनल डायरेक्टर समाजसेवी रोशनलाल उमरवैश्य ने दिव्यांगजनों को संबोधित करते हुए कहा कि आज दिव्यांगजन शिक्षा, खेल, कला और रोजगार के हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। उन्होंने सरकार और समाज से आह्वान किया कि दिव्यांग जनों को अधिक से अधिक अवसर और संसाधन उपलब्ध कराए जाएं ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

रोशनलाल उमरवैश्य स्वयं वर्षों से दिव्यांगों के कल्याण और उनके अधिकारों के लिए संघर्षरत हैं। उन्होंने बताया कि दिव्यांगों के लिए आज कई योजनाएँ चल रही हैं, लेकिन जरूरत है सही जानकारी और समाज की सकारात्मक सोच की। समाजसेवी श्रीमती ममता यादव ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को दया नहीं सम्मान और समानता की जरूरत है। प्राचीन काल से ही अपने देश में अष्टावक्र से लेकर सूरदास वर्तमान में जगदुरु रामभद्राचार्य से लेकर सुधा चंद्रा तक समाज में अपना एक अहम स्थान बनाए हैं। जिन पर दिव्यांगों को ही नहीं समाज के सभी लोगों को गर्व है।श्रीमती अमिता कुशवाहा ने कहा कि दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत है। मधु यादव ने कहा कि हम मातृशक्ति की दिव्यांगों के प्रति और जिम्मेदारियां बढ़ जाती है। यदि सुखद और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करना है तो दिव्यांगों के प्रति समाज का नजरिया बदलने की जरूरत है। प्रयास राजकीय अक्षम विद्यालय के अध्यापक श्री नारायण यादव ने कहा कि दिव्यांगों में अपार क्षमता विद्यमान है केवल इन्हें निखारने की जरूरत है।कार्यक्रम के समय अनुरूद नारायण तिवारी, संतोष कुमार, देवानंद, छेदीलाल, विवेक यादव, आदर्श कुमार, शंकर लाल, रमेश, कमर हुसैन, नितिन पाल, आदित्य कुमार, राज, प्रिन्स पाल, करन, रामू, अग्रज आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी द्वारा मंगलवार को जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने उपस्थिति पंजिका का अवलोकन करते हुए निर्देश दिए कि सभी कर्मचारी समय से अपनी उपस्थिति दर्ज करें और कार्यालय में नियमित रूप से उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यालय में रखी गई पत्रावलियों का अवलोकन कर उनके बेहतर रखरखाव के निर्देश दिए। साथ ही साफ-सफाई की स्थिति को देखा, जो संतोषजनक पाई गई। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को कार्यालय कार्यों को समयबद्ध एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक ओमकार राणा उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवा राज्य स्तरीय विवेकानन्द यूथ एवार्ड हेतु 15 सितम्बर तक करें आवेदन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। प्रभारी जिला युवा कल्याण एवं प्रा0वि0द0 अधिकारी सुमित सिंह पाल ने बताया है कि राज्य स्तरीय विवेकानन्द यूथ एवार्ड (व्यक्तिगत श्रेणी) से सामाजिक कार्यो में रूचि रखने वाले प्रदेश के श्रेष्ठतम 10 युवाओं को पुरस्कृत किया जाता है। उन्होने बताया है कि राष्ट्रीय विकास एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र तथा खेलकूद, सामाजिक वृक्षारोपण, परिवार कल्याण, अल्प बचत, रक्तदान, नशामुक्ति, जल संरक्षण, पुस्तकालय एवं वाचनालय की स्थापना एवं संचालन, जैविक खेती, सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापना, स्वच्छता कार्यक्रम, राष्ट्रीय एकीकरण, साक्षरता, आपदा प्रबन्धन, मतदाता जागरूकता, स्वास्थ्य, अनुसंधान, कला, संस्कृति और साहित्य, मानव अधिकारों को बढ़ावा देना, पर्यटन, पारम्परिक चिकित्सा, सक्रिय नागरिकता, सामुदायिक सेवा, खेल और शैक्षिक उत्कृष्टता एवं स्मार्ट लर्निंग इत्यादि क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवा 15 सितम्बर तक आवेदन कर सकते है। उन्होने पात्रता के सम्बन्ध में बताया है कि सम्बन्धित युवा को उत्तर प्रदेश का नागरिक होना अनिवार्य है, वह 15 से 35 वर्ष की आयु के बीच होना चाहिये, जिसका निर्धारण वर्ष 01 जनवरी को नामांकन के समय के अनुसार होगा। शासनादेश के अनुसार 01 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2025 तक उपर्युक्त क्षेत्रों में पहचान योग्य कार्य किया गया हो। पुरस्कार जीवनकाल में एक बार प्रदान किया जायेगा। किसी सरकारी सेवा में अर्थात् केन्द्र/राज्य सरकार, सार्वजनिक उपक्रमों, विश्वविद्यालयों, स्कूलों/कालेज आदि में कार्यरत व्यक्ति पुरस्कार पात्र नहीं है।

इंडो नेपाल बॉर्डर पर सुरक्षा को लेकर बैठक की गई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। इंडो नेपाल बॉर्डर ककरहवा के सीमा शुल्क इकाई ककरहवा पर मोहाना पुलिस , एसएसबी ककरहवा व सीमा शुल्क इकाई ककरहवा,नेपाल पुलिस , एपीएफ नेपाल , आई बी के साथ गोष्ठी की गई । डॉ0 अभिषेक महाजन पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के आदेश के अनुक्रम में प्रशांत कुमार,अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के कुशल निर्देशन में व विश्वजीत सौरयान क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण में सुधीर त्यागी असिस्टेंट कमिश्नर कस्टम की अध्यक्षता में मंगलवार को सीमा शुल्क इकाई ककरहवा पर थानाध्यक्ष मोहाना रोहित उपाध्याय , चौकी इंचार्ज ककरहवा एस आई विरेंद्र यादव , कैलाश दान, अस्टिटेंट कमिश्नर एसएसबी ककरहवा सुधीर त्यागी असिस्टेंट कमिश्नर सीमा शुल्क गोरखपुर, व नेपाल पुलिस के सीनियर सब इंस्पेक्टर आर0बी0 थापा व ए पी एफ नेपाल के निरीक्षक राम कुमार व आई बी के एसीओ रजत कुमार साथ इंडो नेपाल बॉर्डर पर तस्करी के रोकथाम व सुरक्षा के संबंध में बैठक की गई तथा सभी से वार्ता की गई ।

गोंडा में विद्युत विभाग का औचक निरीक्षण, 17 अधिकारी-कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए

●एक अधिकारी और 16 कर्मचारी अनुपस्थित, स्पष्टीकरण मांगा गया

अनुपस्थित कर्मचारियों पर होगी कार्यवाही, विभागीय अनुशासन पर जोर

गोंडा में विद्युत विभाग के कार्यालयों का निरीक्षण, 17 अधिकारी-कर्मचारी पाए गए अनुपस्थित

आयुक्त ने दिए सख्त निर्देश, समय से कार्यालय न आने पर होगी कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवीपाटन मंडल गोंडा। मंगलवार को आयुक्त देवीपाटन मण्डल शशि भूषण लाल सुशील द्वारा पूर्वान्ह 10ः30 बजे के करीब विद्युत विभाग, गोंडा के विभिन्न कार्यालयों में अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति का भौतिक सत्यापन/निरीक्षण किया गया। इस दौरान लापरवाही उजागर हुई और कुल 17 अधिकारी-कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए।आयुक्त के निरीक्षण में कार्यालय मुख्य अभियन्ता (वितरण) मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड में 6 कर्मचारी अनुपस्थित पाए। इसी प्रकार कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण में 2 कर्मचारी, कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड-प्रथम में 7 कर्मचारी तथा कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड-द्वितीय में 2 कर्मचारी ड्यूटी पर मौजूद नहीं मिले। कुल मिलाकर एक अधिकारी और 16 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। निरीक्षण के बाद सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि अनुपस्थित पाए गए सभी अधिकारी-कर्मचारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त कर नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। यह सख्त कदम विभागीय अनुशासन और कार्य संस्कृति को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आयुक्त ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को समय से कार्यालय पहुंचने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शासन स्तर से भी कार्यालयों में समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए हैं। इसके बावजूद यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी समय से उपस्थित नहीं होता है, तो उसका स्पष्टीकरण मांगा जाएगा और आवश्यकतानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। आयुक्त ने साफ कहा कि लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकारी कार्यों में देरी से जनता को असुविधा होती है, इसलिए सभी कर्मचारियों को समयपालन को अपनी जिम्मेदारी मानते हुए कार्यालय में उपस्थित होना अनिवार्य है। उन्होंने संबंधित विभागाध्यक्षों को भी निर्देशित किया है कि उपस्थिति की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और अनुपस्थित या देर से आने वाले कार्मिकों के खिलाफ तत्काल रिपोर्ट तैयार कर कार्यवाही सुनिश्चित करें। इससे प्रशासनिक कार्यकुशलता और जनता को मिलने वाली सेवाओं में सुधार होगा।

खुलासा- यूपी में बिजली गिरने से मरने वालों में 80 फीसदी लोग पूर्वांचल-बुंदेलखंड के, इन जिलों में एक भी मौत नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर – उत्तर प्रदेश में साल दर साल बिजली गिरने से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़ रही है। पूर्वांचल और बुंदेलखंड में यह बिजली ज्यादा कहर ढहा रही है। विगत चार साल के आंकड़े बताते हैं कि सोनभद्र, ललितपुर, झांसी, बांदा चंदौली, प्रतापगढ़, चित्रकूट, फतेहपुर, गाजीपुर, बलिया व प्रयागराज में बिजली गिरने से अधिक मौतें हुई हैं। वहीं, इन वर्षों में हापुड़, मुजफ्फरनगर और रामपुर में मौत का एक भी मामला सामने नहीं आया। बिजली गिरना वह प्राकृतिक घटना है, जिसमें गरज वाले बादलों के बीच या बादल और जमीन के बीच उच्च विद्युत आवेशों का तेजी से संचरण होता है। बादलों में जल और बर्फ के कणों के आपस में घर्षण से आवेश उत्पन्न होते हैं, जो बिजली के रूप में जमीन की ओर बढ़ता है। इसे ही हम बिजली गिरना कहते हैं। यह घटना इंसानों, पशुओं और पेड़-पौधों को नुकसान पहुंचाती है। मानसून सीजन में ये घटनाएं ज्यादा होती हैं।

लोगों के मरने की 80 फीसदी घटनाएं पूर्वांचल और बुंदेलखंड में

आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2024-25 में बिजली गिरने से प्रदेश में 373 लोगों की मौत हुई। इसमें पूर्वी यूपी में 217 और बुंदेलखंड में 82 लोग मरे। यानी, इन दो क्षेत्रों में कुल 299 मौतें हुईं। पश्चिमी यूपी में 47 और मध्य यूपी में 27 मौतें हुईं। इस तरह से देखें तो 80 फीसदी मृतक पूर्वांचल और बुंदेलखंड क्षेत्र में हैं।

समस्या की जड़ में अंधाधुंध खनन और जंगल कटान

लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक शास्त्री प्रो. एनके पांडेय पूर्वांचल और बुंदेलखंड में ज्यादा घटनाएं होने के पीछे की वजह अंधाधुंध खनन और जंगल कटान बताते हैं। वे बताते हैं कि खनन और जंगल कटान से हीट (तापमान) बढ़ता है। स्थानीय हीट, बंगाल की खाड़ी से आने वाली गरम हवाएं और प्रदूषण के कण मिलकर छोटे-छोटे बादल (क्लाउड) बनाती हैं। इन क्षेत्रों में नदियां भी हैं, जिससे पर्याप्त नमी भी मिल रहती है, जो छोटे बादल बनाने में सहायक होती है। जब यह बादल आपस में टकराते हैं तो इनसे बनने वाला विद्युत चार्ज इंसानों और पेड़ों की मौत का कारण बनते हैं। हालांकि, प्रो. पांडेय मानते हैं कि पूर्वांचल और बुंदेलखंड में ज्यादा मौतों के सभी सटीक कारण जानने के लिए गहन अध्ययन और शोध की आवश्यकता है।

यूपी में किस वर्ष कितने लोग बिजली गिरने से मरे

2021-22 273
2022-23 301
2023-24 322
2024-25 373

वर्षवार टॉप-5 जिले जहां सबसे ज्यादा लोग मरे (मृतकों की संख्या)

2021-22 - सोनभद्र (37), प्रयागराज (31), मिर्जापुर (22), ललितपुर (16), गाजीपुर व झांसी (दोनों जिले में 11-11)।

2022-23 - सोनभद्र (29), मिर्जापुर (25), बांदा (24), प्रयागराज (22), ललितपुर (19)।

2023-24 - सोनभद्र (26), गाजीपुर (25), मिर्जापुर (23), बलिया (18), प्रयागराज (15)

2024-25 - ललितपुर (21), चंदौली (20), प्रतापगढ़ (19), चित्रकूट-फतेहपुर-गाजीपुर (प्रत्येक में 18 की मौत), प्रयागराज (17)

वर्ष 2024-25 में बिजली से यूपी के किस क्षेत्र में कितने लोग मरे

पूर्वी यूपी - 217
बुंदेलखंड - 82
पश्चिमी यूपी - 47
मध्य यूपी - 27